- 19th Year
- Issue: 213
- 07.12.2025 (SUNDAY)
- ROURKELA
- R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
- (Pages-6)
- Price:2.00

e-paper-www.thekalingasamachar.com

दैनिक

कलिंग समाचार

The kalingasamachar

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From ODISHA, JHARKHAND & CHHATTISHGARH

संविधान निर्माता को नमन: राष्ट्रपति मुर्मू, पीएम मोदी और दिग्गजों ने बाबासाहेब को दी श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली ०६/१२ (संवाददाता): भारतीय संविधान के निर्माता बाबासाहेब अंबेडकर की आज पुण्यतिथि है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बाबासाहेब डॉ. बी.आर. को पुष्पांजलि अर्पित की। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबासाहेब अंबेडकर को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मोदी ने ङ्ग पर एक पोस्ट में कहा कि महापरिनिर्वाण दिवस पर डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर को याद कर रहा हूँ। उनका दूरदर्शी नेतृत्व और न्याय, समानता एवं संविधानवाद के प्रति अटूट प्रतिबद्धता हमारी राष्ट्रीय यात्रा का मार्गदर्शन करती रहेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अंबेडकर ने पीढ़ियों को मानवीय गरिमा बनाए रखने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अंबेडकर ने पीढ़ियों को मानवीय गरिमा को बनाए रखने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मज़बूत करने के लिए प्रेरित किया।

मोदी ने कहा कि उनके आदर्श हमें विकसित भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त करते रहें। प्रधानमंत्री ने उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन के साथ संसद भवन परिसर में प्रेरणा स्थल पर अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर शनिवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि भारत का संविधान उनकी ओर से दिया गया सबसे बड़ा उपहार है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संसद परिसर में आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प भी अर्पित किए। खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, बाबासाहेब आंबेडकर के 70वें महापरिनिर्वाण दिवस पर हम अपने संविधान के निर्माता और सामाजिक न्याय के लिए एक अडिग आवाज के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि अपने पूरे जीवन में बाबासाहेब स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और न्याय के लोकतांत्रिक सिद्धांतों के लिए दृढ़ता से खड़े रहे।

खरगे का कहना है, आज, पहले से कहीं अधिक, हमें उन मूल्यों को बनाए रखने, संरक्षित करने और बचाव करने की जरूरत है जिनके लिए वह जिए। राष्ट्र को उनका सबसे बड़ा उपहार भारत का संविधान है। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, बाबासाहेब आंबेडकर को उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर विनम्र श्रद्धांजलि।

समानता, न्याय और मानवीय गरिमा की उनकी शाश्वत विरासत संविधान की रक्षा के मेरे संकल्प को मजबूत करती है और अधिक समावेशी, करुणा वाले भारत के लिए हमारे सामूहिक संघर्ष को प्रेरित करती है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे वीर सावरकर इम्पैक्ट अवार्ड्स का उद्घाटन

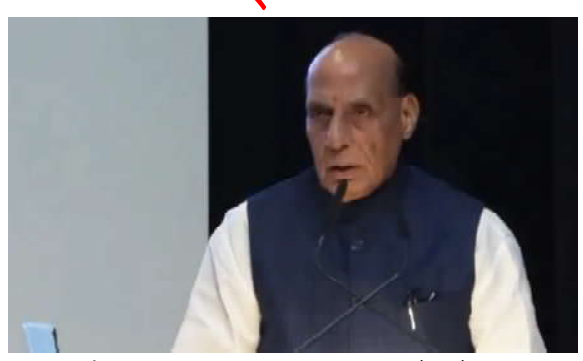

नई दिल्ली ०६/१२ (संवाददाता): 10 दिसंबर को वीर सावरकर अंतर्राष्ट्रीय प्रभाव पुरस्कार 2025 की मेज़बानी करेगा, क्योंकि हाई रेंज रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी नीति निर्माताओं, सामाजिक नेताओं, विद्वानों और नागरिक समाज के सदस्यों को समाज में परिवर्तनकारी योगदान को मान्यता देने के लिए समर्पित एक शाम के लिए एक साथ ला रही है। यह कार्यक्रम एनडीएमसी कन्वेंशन हॉल में आयोजित किया जाएगा, जिसमें उन व्यक्तियों और संगठनों पर प्रकाश डाला जाएगा जिनके कार्यों ने राष्ट्रीय विकास, सामाजिक सुधार और मानवीय कार्यों में ठोस बदलाव लाए हैं।इस समारोह के राष्ट्रीय स्तर पर काफ़ी ध्यान आकर्षित करने की उ मीद है, जिसका उद्घाटन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। ज मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा मु य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे, साथ ही सार्वजनिक जीवन, प्रशासन, शिक्षा जगत और विकास क्षेत्र से कई अतिथि भी शामिल होंगे। ये पुरस्कार वीर सावरकर की विरासत पर आधारित हैं, जिनका भारत के राजनीतिक और सामाजिक चिंतन पर प्रभाव आज भी बहस और चिंतन को जन्म देता है। यह मंच उन समकालीन परिवर्तन-निर्माताओं को मान्यता प्रदान करने का प्रयास करता है जो सामुदायिक सशक्तिकरण, समावेशी विकास और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को मूर्त रूप देते हैं, और उन प्रयासों को उजागर करता है जो तेज़ी से विकसित हो रहे भारत में राष्ट्र निर्माण की नींव को मज़बूत करते हैं। आयोजक संस्था, एचआरडीएस इंडिया, ने आदिवासी और ग्रामीण समुदायों के साथ ज़मीनी स्तर पर अपने काम के लिए लगातार प्रतिष्ठा अर्जित की है। एक गैर-सरकारी संगठन के रूप में पंजीकृत, इसने वंचित क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और आजीविका के अवसरों तक पहुँच का विस्तार करके संरचनात्मक असमानता को दूर करने पर ध्यान केंद्रित किया है।

सहकार टैक्सी दो साल में भारत की सबसे बड़ी सहकारी टैक्सी कंपनी बन जाएगी-अमित शाह

नयी दिल्ली ०६/१२ (संवाददाता): केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को घोषणा की कि सहकार टैक्सी सेवा अगले दो वर्षों में देश की सबसे बड़ी सहकारी टैक्सी कंपनी बनने की ओर अग्रसर है, जिसकी शुरुआत हाल में की गई थी। शाह ने कहा कि प्रायोगिक तौर पर शुरुआत के बाद से अब तक लगभग 51,000 चालक इससे पंजीकृत हो चुके हैं। सहकारिता मंत्री शाह ने इस सेवा की शुरुआती सफलता पर प्रकाश डालते हुए कहा, ''हमने हाल ही में सहकार टैक्सी सेवा शुरू की है, जो सहकारी आधार पर है। हमने इसे दिल्ली में प्रायोगिक तौर पर शुरू किया है।शाह यहां महात्मा मंदिर कन्वेंशन सेंटर में 'अर्थ समिट' को संबोधित कर रहे थे। यह राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) और भारतीय इंटरनेट एवं मोबाइल संघ (आईएएमएआई) द्वारा संचालित एक राष्ट्रीय पहल है। शाह ने कहा कि प्रायोगिक परियोजना शुरू होने के बाद से अब तक 51,000 ड्राइवर इस सेवा के लिए पंजीकरण करा चुके हैं।उन्होंने कहा, ''हमारे टैक्सी चालकों को उनकी पूरी कमाई उनके बैंक खातों में मिलेगी। मुझे पूरा विश्वास है कि अगले दो वर्षों में यह टैक्सी सेवा देश की सबसे बड़ी सहकारी टैक्सी कंपनी बन जाएगी। देश की शीर्ष आठ सहकारी संस्थाओं के समर्थन वाली ऑनलाइन सवारी सेवा 'भारत टैक्सी' की मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में प्रायोगिक आधार पर शुरुआत की गई। 'भारत टैक्सी' सेवा के तहत ग्राहक कार, ऑटो और बाइक श्रेणियों के लिए बुकिंग कर सकेंगे।सहकार टैक्सी कोऑपरेटिव लिमिटेड के माध्यम से संचालित 'भारत टैक्सी' डिजिटल ऐप पर अब तक 51,000 से अधिक ड्राइवर पंजीकृत हो चुके हैं।

आत्मविश्वास से सराबोर भारत, बना वैश्विक अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन-पीएम मोदी

नयी दिल्ली ०६/१२ (संवाददाता): नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया अनिश्चितताओं से भरी है, भारत एक अलग लीग में दिखाई दे रहा है। 'एचटी लीडरशिप समिट' में प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आत्मविश्वास से भरा है; जब दुनिया आर्थिक सुस्ती की बात करती है, भारत विकास गाथा लिखता है। उन्होंने कहा कि जब विश्व में विश्वास का संकट है, तो भारत भरोसे का स्तंभ है; जब दुनिया टुकड़ों में बंटी है, तो भारत सेतु का काम करता है। प्रधानमंत्री ने स्टार्टअप 'स्काईरूट' का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ने देश में अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधार किये हैं, इसके युवा अब नये भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था का प्रमुख विकास इंजन बन रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि भारत में हो रहा परिवर्तन केवल संभावनाओं के बारे में नहीं है। यह बदलते जीवन, विकसित होती मानसिकता और एक नई दिशा में बढ़ते राष्ट्र की सच्ची कहानी है। आज हमारे संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस भी है। मैं सभी भारतीयों की ओर से उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। मोदी ने कहा कि आज हम ऐसे दौर में खड़े हैं जब इक्कीसवीं सदी का एक-चौथाई हिस्सा बीत चुका है। इन पच्चीस वर्षों में, दुनिया ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। इसने वित्तीय संकट देखे हैं। इसने एक वैश्विक महामारी का सामना किया है। इनमें से प्रत्येक स्थिति ने किसी न किसी रूप में वैश्विक समुदाय के लिए चुनौती पेश की है। अनिश्चितता के माहौल के बीच, हमारा राष्ट्र अपनी अलग पहचान बना रहा है। भारत गहरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की दूसरी तिमाही की 8.2 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि का उल्लेख किया और कहा कि भारत विश्वास के स्तंभ के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा, जब दुनिया मंदी की बात करती है, तब भारत विकास की गाथा लिख रहा है। जब दुनिया विश्वास के संकट से जूझ रही है, तब भारत विश्वास का स्तंभ बनकर उभर रहा है। जब दुनिया विखंडन की ओर बढ़ रही है, तब भारत एक सेतु का काम कर रहा है। भारत के लिए दूसरी तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के आँकड़े आठ प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्शाते हैं, जो हमारी प्रगति में एक नई गति को दर्शाता है।卐

मोदी ने कहा कि ये केवल सं याएँ नहीं हैं। ये मज़बूत व्यापक आर्थिक संकेत हैं। ये बताते हैं कि भारत आज वैश्विक अर्थव्यवस्था के एक प्रमुख विकास चालक के रूप में उभर रहा है। आज, जब हम कल के परिवर्तन पर चर्चा कर रहे हैं, तो यह स्पष्ट है कि हम जिस परिवर्तन की आकांक्षा रखते हैं, वह वर्तमान के कार्यों द्वारा निर्मित मज़बूत नींव में दृढ़ता से निहित है। आज हम जो सुधार कर रहे हैं और जो प्रदर्शन कर रहे हैं, वे हमारे कल के परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

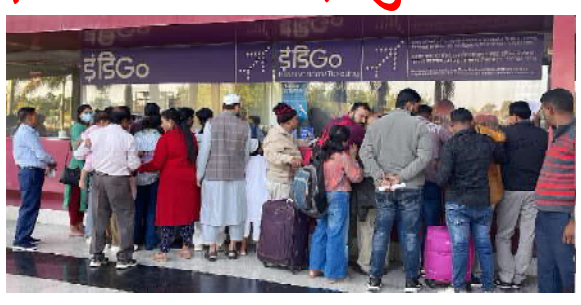

सरकारी निर्देश के बाद यात्रियों को मिलेगा पूरा रिफंड, रद्दीकरण पर कोई शुल्क नहीं

नयी दिल्ली ०६/१२ (संवाददाता): नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा इंडिगो को 7 दिसंबर तक रिफंड जारी करने का निर्देश दिए जाने के बाद एयरलाइन ने शनिवार को घोषणा की कि वह 5 दिसंबर से 15 दिसंबर के बीच रद्द की गई सभी बुकिंगों का पूरा पैसा वापस करेगी और सभी रद्दीकरण और पुनर्निर्धारण अनुरोधों पर छूट देगी। इंडिगो ने कहा कि हाल की घटनाओं के मद्देनजर, आपके रद्दीकरण के सभी रिफंड स्वचालित रूप से आपके मूल भुगतान मोड में संसाधित किए जाएंगे।

हम 5 दिसंबर 2025 और 15 दिसंबर 2025 के बीच यात्रा के लिए आपकी बुकिंग के सभी रद्दीकरण/पुनर्निर्धारण अनुरोधों पर पूर्ण छूट प्रदान करेंगे। हमें हुई कठिनाइयों के लिए गहरा खेद है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इंडिगो एयरलाइंस को निर्देश दिया है कि वह उन यात्रियों को 7 दिसंबर तक रिफंड जारी करे, जो पिछले कुछ दिनों में भारत की सबसे बड़ी एयरलाइनों के परिचालन व्यवधानों के कारण बड़े पैमाने पर रद्दीकरण और देरी से प्रभावित हुए हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, मंत्रालय ने आदेश दिया है कि सभी रद्द या बाधित उड़ानों के लिए रिफंड प्रक्रिया रविवार, 7 दिसंबर 2025 को रात 8:00 बजे तक पूरी हो जानी चाहिए। साथ ही, रिफंड प्रक्रिया में किसी भी देरी या गैर-अनुपालन पर तत्काल नियामक कार्रवाई की जाएगी।इंडिगो ने परिचालन पूरी तरह से स्थिर करने के लिए 10 फ़रवरी, 2026 तक का समय माँगा है और नुकसान को कम करने के लिए अगले कुछ दिनों में उड़ानों में कटौती शुरू कर दी है।

वैवाहिक बलात्कार को अपराध की श्रेणी में लाने वाला निजी विधेयक पेश किया

नयी दिल्ली ०६/१२ (संवाददाता): तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वैवाहिक बलात्कार को अपराध की श्रेणी में डालने की तत्काल आवश्यकता है और उन्होंने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में संशोधन के लिए निजी विधेयक पेश किया है।

उन्होंने कहा, ''भारत को अपने संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखना चाहिए और ना का मतलब ना से सिर्फ़ हां का मतलब हां होने की ओर बढ़ना चाहिए। हर महिला को विवाह संबंध के दायरे में शारीरिक स्वायत्तता और गरिमा का मौलिक अधिकार मिलना चाहिए। अब कार्रवाई का समय आ गया है।''

थरूर ने दो अन्य गैर सरकारी विधेयक भी पेश किए जोव्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति संहिता, 2020 में संशोधन तथा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुनर्गठन की सिफारिश केंद्र को करने के लिए राज्य और केंद्र शासित प्रदेश पुनर्गठन आयोग की स्थापना से संबंधित हैं।

रूस में फैलेगा पतंजलि का साम्राज्य, स्वस्थ साइन, योग और भारतीय संस्कृति का बढ़ेगा प्रभाव

नयी दिल्ली ०६/१२ (संवाददाता): पतंजलि समूह और रूस सरकार के बीच दिल्ली में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। पतंजलि समूह की ओर से स्वामी रामदेव और भारत-रूस व्यापार परिषद के अध्यक्ष एवं रूसी वाणिज्य मंत्री सर्गेई चेरेमिन ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य दोनों देशों के बीच स्वास्थ्य, योग, आयुर्वेद, आध्यात्मिक आदान-प्रदान और कुशल श्रम गतिशीलता के क्षेत्र में सहयोग को गहरा करना है। स्वामी रामदेव ने ज़ोर देकर कहा कि यह समझौता पूरे रूस में पतंजलि की स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर केंद्रित होगा। इसमें बढ़ती उम्र को रोकने और गंभीर बीमारियों का पहले से पता लगाने के उद्देश्य से अत्याधुनिक स्वास्थ्य तकनीकों की खोज हेतु सहयोगात्मक अनुसंधान की परिकल्पना की गई है। इस समझौता ज्ञापन में योग, आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देने को प्राथमिकता दी गई है, जो पहले से ही रूसी नागरिकों के बीच लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं।

इस समझौता ज्ञापन का एक प्रमुख स्तंभ योग, आयुर्वेद और प्राचीन परंपराओं के भारत के समृद्ध ज्ञान को रूस के साथ साझा करके आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संबंधों को मज़बूत करना है। इस पहल में सांस्कृतिक आदान-प्रदान और भारत की ऋषि परंपराओं को रूसी समाज तक पहुँचाना, आपसी समझ और सद्भावना को बढ़ाना शामिल होगा। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत, पतंजलि ने 2,00,000 से ज़्यादा लोगों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है और अब रूस को कुशल योगियों और प्रशिक्षित श्रमिकों की आपूर्ति करेगा। इस समझौता ज्ञापन में रूस में अग्रणी भारतीय ब्रांडों को बढ़ावा देना और रूसी ब्रांडों को भारत लाना भी शामिल है, जिसके तहत पतंजलि रूसी उपभोक्ताओं के लिए अपने विश्वस्तरीय उत्पाद पेश करने के लिए तैयार है।

विविध समाचार

बिहार को टॉप 5 निवेश राज्य बनाने की तैयारी, नीतीश का बड़ा दांव, 50 लाख करोड़ की कार्ययोजना

पटना ०६/१२ (संवाददाता): बिहार में 10वीं बार मुज़्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद नीतीश कुमार एज़्शन में हैं। रोजगार और उद्योग पर नीतीश सरकार का फोकस साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। एक बार फिर से नीतीश कुमार ने ट्वीट कर जानकारी दी है कि उनकी सरकार बिहार में रोजगार और औद्योगिक क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए निरंतर काम कर रही है।

अपने एज़्स पोस्ट में नीतीश कुमार ने लिखा कि आप सभी जानते हैं कि किसी भी राज्य की तेज आर्थिक तरक्की और रोजगार पैदा करने के लिए वृहद पैमाने पर औद्योगीकरण का होना जरूरी है। बिहार सरकार ने इस दिशा में काफी काम किया है। औद्योगिक क्षेत्रों की संज़्या जो वर्ष 2005 में 46 थी, वह बढ़कर अब वर्ष 2025 में 94 हो गयी है।

सीएम ने कहा कि औद्योगिक इकाईयों की संज़्या वर्ष 2005 में 1674 थी, जो वर्ष 2025 में बढ़कर 3500 हो गयी है।

इसी प्रकार वर्ष 2005 में बिहार से औद्योगिक उत्पादों का निर्यात जो मात्र 25 करोड़ रूपये था, वह बढ़कर वर्ष 2025 में 17 हजार करोड़ रूपये हो गया है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों की संज़्या 2005 के मुकाबले 72 हजार से बढ़कर 2025 में 35 लाख हो गयी है और बिहार के जी0एस0डी0पी0 में उद्योगां का योगदान वर्ष 2005 के 5.4 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 21 प्रतिशत से भी अधिक हो गया है। यह सरकार द्वारा बिहार के औद्योगिक विकास हेतु किये गये प्रयासों को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि अब बिहार को भारत के शीर्ष पांच निवेश अनुकूल राज्यों में सज़्मिलित करने हेतु उद्योग विभाग देश-दुनिया के प्रमुख वाणिज्यिक केंद्रों में निवेशक सज़्मेलनों का आयोजन करेगा, ताकि बड़े से बड़े उद्योगों को आकर्षित किया जा सके। हमलोगों ने अगले 5 वर्षों में 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश की कार्ययोजना पर काम शुरू कर दिया है। इसके तहत Ease of Doing Business (EoDB) को बढ़ावा देना, आधुनिक फूड प्रोसेसिंग और लॉजिस्टिज़्स सुविधाओं के साथ 5 नए मेगा फूड पार्क स्थापित करना, राज्य में 10 औद्योगिक पार्क एवं 100 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम पार्कों को विकसित करना, उद्योग-प्रासंगिक कौशल एवं उद्यमिता में 7 लाख लोगों को प्रशिक्षित करना तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम निदेशालय की स्थापना एवं सभी जिलों में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम केंद्र स्थापित करना शामिल है। इसके साथ ही स्थानीय उत्पादों के निर्यात एवं बाजार की सुविधा उपलज़्ध कराना प्रमुख है। मुज़्यमंत्री ने लिखा कि राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए मुज़्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत कुल 44,073 उद्यमियों को प्रोत्साहन राशि दी गयी है। इससे लोग अपना खुद का उद्योग/कारोबार कर रहे हैं और बड़ी संज़्या में लोगों को रोजगार भी दे रहे हैं। बिहार को पूर्वी भारत का नया टेक हब बनाने के उद्देश्य से डिफेंस कॉरिडोर, सेमीकंडज़्टर मैन्युफैक्चरिंग पार्क, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर, मेगा टेक सिटी एवं फिनटेक सिटी की स्थापना हेतु कार्य योजना के निर्माण तथा उसके कार्यान्वयन के सतत अनुश्रवण के लिए शीर्ष समिति का गठन किया गया है। साथ ही बिहार को एक ‘वैश्विक-क्ष्रुष्घ्र द्रठ्ठस्त्र-।ह्ठ्ठ’ एवं ‘ग्लोबल वर्क प्लेस’ के रूप में विकसित एवं स्थापित करने हेतु कार्य योजना बनाकर उसके कार्यान्वयन के लिए सतत अनुश्रवण करने के लिए एक शीर्ष समिति का गठन किया गया है।

इसके अलावा प्रतिभाशाली युवाओं एवं उद्यमियों को राज्य अंतर्गत स्टार्टअप एवं अन्य न्यू एज इकोनॉमी प्रक्षेत्र के रोजगारोन्मुखी गतिविधियों को विस्तारित करने हेतु कार्य योजना बनाकर उसके कार्यान्वयन एवं सतत अनुश्रवण की व्यवस्था की गई है।

सीएम ने कहा कि गयाजी के डोभी में लगभग 1,700 एकड़ में फैले Integrated Manufacturing Cluster (IMC) की स्थापना प्रक्रिया को तीव्र गति से आगे बढ़ाया जा रहा है और जल्द ही उसका शुभारंभ भी कर दिया जाएगा। राज्य के 29 जिलों के 14,036 एकड़ भूमि पर फैले Integrated Manufacturing Cluster (IMC) मॉडल की तर्ज पर 31 नए अत्याधुनिक औद्योगिक पार्क स्थापित किए जाएंगे, जिसमें 10 सेज़्टर-विशेष पार्क जैसे कि टेज़्सटाइल पार्क, फार्मा पार्क आदि शामिल होंगे। राज्य में तीव्र औद्योगिक विकास पर कुल 26,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। बिहार में अब उद्योगों की स्थापना के लिये सभी गुणवज़ापूर्ण आधारभूत संरचनायें उपलज़्ध हैं, जैसे- अच्छे सड़क मार्ग, रेलवे एवं हवाई मार्ग से अच्छी सज़्पर्कता, निर्बाध विद्युत आपूर्ति। राज्य में कानून का राज स्थापित है एवं विधि व्यवस्था की स्थिति काफी बेहतर है। साथ ही हमलोग यह भी सुनिश्चित करेंगे कि राज्य के युवाओं को रोजगार के लिए किसी मजबूरी में राज्य से बाहर नहीं जाना पड़े।

ज़्या राष्ट्रपति भवन अब पक्षपात का अखाड़ा? पुतिन के भोज से विपक्षी नेताओं को दरकिनार करने पर भड़के कांग्रेस सांसद

नयी दिल्ली ०६/१२ (संवाददाता): रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सज़्मान में आयोजित राष्ट्रपति के भोज में संसद में विपक्ष के नेताओं (एलओपी) को आमंत्रित नहीं किए जाने पर मचे बवाल के बीच, कांग्रेस सांसद सैयद नसीर हुसैन ने शनिवार को राष्ट्रपति भवन को पक्षपातपूर्ण प्राथमिकताओं और पूर्वाग्रहों से ऊपर उठने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, एक संवैधानिक राष्ट्राध्यक्ष होने के नाते, यह सुनिश्चित करें कि द्विदलीय संवाद की परंपरा कायम रहे। उन्होंने कहा कि भारत के राष्ट्रपति ने विदेशी राष्ट्राध्यक्षों के लिए आयोजित आधिकारिक रात्रिभोज में विपक्ष के नेताओं को आमंत्रित करने की लोकतांत्रिक परंपरा से विमुख हो गए हैं। हुसैन ने एज़्स पर पोस्ट किया कि लंबे समय से चली आ रही लोकतांत्रिक परंपरा से हटकर, भारत के राष्ट्रपति ने संसद में विपक्ष के नेताओं मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी को राष्ट्रपति भवन में रूसी राष्ट्रपति पुतिन के सज़्मान में आयोजित राजकीय भोज में आमंत्रित नहीं किया। एक संवैधानिक राष्ट्राध्यक्ष और इस यात्रा के मेज़बान होने के नाते, भारत के राष्ट्रपति से अपेक्षा की जाती है कि वे पक्षपातपूर्ण प्राथमिकताओं और पूर्वाग्रहों से ऊपर उठें और यह सुनिश्चित करें कि द्विदलीय संवाद की परंपरा कायम रहे।

उन्होंने आगे कहा कि ऐसी बातचीत से विपक्ष को जानबूझकर बाहर रखने से भारत की संस्थागत विश्वसनीयता कमज़ोर होती है और विदेशी मामले एक और पक्षपातपूर्ण युद्धक्षेत्र में बदल जाते हैं। इससे पहले, राहुल गांधी ने यह दावा करके राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया था कि केंद्र सरकार विदेशी गणमान्य व्यक्तियों को विपक्ष के नेता से न मिलने की सलाह देती है। उनका तर्क था कि यह एक पुरानी परंपरा को तोड़ता है और सरकार की असुरक्षा को दर्शाता है। सूत्रों ने पुष्टि की कि सरकार के बाहर बैठकें आयोजित करना दौरे पर आए प्रतिनिधिमंडल पर निर्भर करता है।सरकारी सूत्रों ने स्पष्ट किया कि किसी दौरे के दौरान, विदेश मंत्रालय आने वाले गणमान्य व्यक्तियों के लिए सरकारी अधिकारियों और सरकारी निकायों के साथ बैठकें आयोजित करता है। सरकार के बाहर बैठकें आयोजित करना दौरे पर आए प्रतिनिधिमंडल पर निर्भर करता है। सूत्रों ने बताया, 9 जून 2024 से अब तक निज़्नलिखित नेताओं ने विपक्ष के नेता से मुलाकात की है: बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने 10 जून 2024 को, वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिंग ने 1 अगस्त 2024 को, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने 21 अगस्त 2024 को, मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने 16 सितंबर 2025 को और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लज़्सन ने 8 मार्च 2025 को।

बंगाल में बाबरी की गूंज, निलंबित टीएमसी विधायक ने मस्जिद की रखी नींव

कोलकाता ०६/१२ (संवाददाता): निलंबित टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर ने शनिवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के रेजिनगर में अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक मस्जिद की आधारशिला रखी। कबीर ने मंच पर आए मौलवियों के साथ एक औपचारिक रिबन काटा, इस दौरान कार्यक्रम स्थल पर नारा-ए-तकबीर, अल्लाहु अकबर के नारे लगाए गए, जहाँ सुबह से ही हजारों लोग जमा थे। आधारशिला रखने का समारोह कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुआ, जिसमें कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए रेजिनगर और आसपास के बेलडांगा इलाके में पुलिस, आरएएफ और केंद्रीय बलों की बड़ी टुकड़ियाँ तैनात की गईं।

कबीर, जिन्हें इस सप्ताह की शुरुआत में तृणमूल कांग्रेस से निलंबित कर दिया गया था, जिसे पार्टी ने सांप्रदायिक राजनीति में लिप्त बताया था, ने इस महीने की शुरुआत में आधारशिला समारोह की घोषणा की थी, जिसकी राजनीतिक आलोचना हुई और राज्य प्रशासन को सुरक्षा बढ़ानी पड़ी। आधारशिला समारोह के लिए कबीर ने 6 दिसंबर का दिन चुना, जो अयोध्या की बाबरी मस्जिद के विध्वंस की वर्षगांठ है। मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद शैली की मस्जिद की नींव रखने की विधायक हुमायूँ कबीर की योजना ने शनिवार को पश्चिम बंगाल में राजनीतिक घमासान मचा दिया। भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस, जिसने विधायक को निलंबित कर दिया है, पर लोगों का ध्रुवीकरण करने का आरोप लगाया, जबकि राज्य की सज़ारूढ़ पार्टी ने इस आरोप को निराधार बताया। वरिष्ठ भाजपा नेता अमित मालवीय ने एज़्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि मुज़्यमंत्री ममता बनर्जी राजनीतिक लाभ के लिए मुसलमानों का ध्रुवीकरण करने के लिए विधायक का इस्तेमाल कर रही हैं और बेलडांगा से आई खबरों ने गंभीर चिंता पैदा कर दी है।उन्होंने दावा किया कि कबीर के समर्थकों को बाबरी मस्जिद बनाने के लिए ईंटें ले जाते देखा गया था और विधायक ने दावा किया था कि उन्हें पुलिस का समर्थन प्राप्त है। बेलडांगा को राज्य के सबसे सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में से एक बताते हुए, मालवीय ने चेतावनी दी कि कोई भी अशांति राष्ट्रीय राजमार्ग 12 को बाधित कर सकती है ङ्क जो उज़र बंगाल को दक्षिण बंगाल से जोड़ने वाली जीवनरेखा है ङ्क जिसके कानून-व्यवस्था और यहाँ तक कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी गंभीर परिणाम होंगे। उन्होंने कहा कि यह तथाकथित मस्जिद परियोजना कोई धार्मिक प्रयास नहीं, बल्कि एक राजनीतिक प्रयास है, जिसका उद्देश्य भावनाओं को भड़काना और वोट बैंक को मज़बूत करना है। समुदाय की सेवा करने के बजाय, यह पश्चिम बंगाल की स्थिरता के लिए एक गंभीर खतरा है। उन्होंने आगे कहा कि लेकिन ममता बनर्जी किसी भी हद तक नहीं रुकेंगी, चाहे इसका मतलब पश्चिम बंगाल को उथल-पुथल की ओर ही ज़्यों न धकेलना पड़े।

भारत-रूस के संबंधों पर किसी देश का वीटो नहीं, पुतिन की यात्रा से नाराज अमेरिका को जयशंकर की दो टूक

नयी दिल्ली ०६/१२ (संवाददाता): विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को उन सुझावों को दृढ़ता से खारिज कर दिया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हालिया दो दिवसीय भारत यात्रा भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता को जटिल बनाएगी। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि कोई भी देश अन्य प्रमुख शक्तियों के साथ नई दिल्ली के संबंधों को निर्देशित करने की उज़्मीद नहीं कर सकता। एचटी लीडरशिप समिट 2025 में बोलते हुए, विदेश मंत्री ने प्रमुख देशों के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को बनाए रखने में भारत की स्वायज़ता का उल्लेख किया और कहा कि किसी भी अन्य देश द्वारा अन्य देशों के साथ नई दिल्ली के संबंधों को निर्देशित करना उचित प्रस्ताव नहीं है।

जयशंकर ने कहा कि मैं असहमत हूँ। सभी जानते हैं कि भारत के दुनिया के सभी प्रमुख देशों के साथ संबंध हैं। और किसी भी देश के लिए यह अपेक्षा करना कि वह इस बात पर अपनी राय दे कि हम दूसरों के साथ अपने संबंधों को कैसे विकसित करते हैं, एक उचित प्रस्ताव नहीं है, ज़्योंकि याद रखें, दूसरा भी यही उज़्मीद कर सकता है। उन्होंने इस मामले में भारत की पसंद की स्वतंत्रता की पुष्टि की और कहा कि अपनी रणनीतिक स्वायज़ता को बनाए रखने की उसकी नीति जारी है।विदेश मंत्री ने कहा कि हमने पहले ही यह स्पष्ट कर दिया है कि हमारे बीच बहुपक्षीय संबंध हैं, हमें चयन की स्वतंत्रता है और हम रणनीतिक स्वायज़ता की बात करते हैं, और यह जारी है, तथा मैं कल्पना नहीं कर सकती कि किसी को इसके विपरीत की अपेक्षा करने का कोई कारण ज़्यों होगा। जयशंकर ने देश के किसानों, श्रमिकों और छोटे व्यवसायों के हितों की रक्षा के लिए अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में कड़ी बातचीत करने के नई दिल्ली के रुख को भी दोहराया।उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रज़्प के नेतृत्व वाले नए प्रशासन के बिल्कुल अलग दृष्टिकोण को भी स्वीकार किया, लेकिन विश्वास व्यक्त किया कि एक संतुलित समझौता संभव है। जयशंकर ने कहा कि हर सरकार और हर अमेरिकी राष्ट्रपति का दुनिया से संपर्क करने का अपना तरीका होता है। मैं आपको यह बता सकता हूँ कि राष्ट्रपति ट्रंप के मामले में, यह उनके पूर्ववर्ती के तरीके से बिल्कुल अलग है। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि नई दिल्ली द्विपक्षीय व्यापार समझौतों को आगे बढ़ाते हुए भारत के प्रमुख आर्थिक हितों की रक्षा करने में अत्यंत विवेकपूर्ण कदम उठा रही है। आपको बस बातचीत करके इस मुद्दे को सुलझाने की कोशिश करनी है। हमारा मानना है कि हमारे अपने-अपने व्यापारिक हितों के लिए एक निर्णायक बिंदु हो सकता है, जिस पर कड़ी बातचीत की जाएगी -- ज़्योंकि अंततः मज़दूरों, किसानों, छोटे व्यवसायों और मध्यम वर्ग के हित ही मायने रखते हैं। जयशंकर ने कहा कि मैं असहमत हूँ। सभी जानते हैं कि भारत के दुनिया के सभी प्रमुख देशों के साथ संबंध हैं। और किसी भी देश के लिए यह अपेक्षा करना कि वह इस बात पर अपनी राय दे कि हम दूसरों के साथ अपने संबंधों को कैसे विकसित करते हैं, एक उचित प्रस्ताव नहीं है, ज़्योंकि याद रखें, दूसरा भी यही उज़्मीद कर सकता है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रज़्प के नेतृत्व वाले नए प्रशासन के बिल्कुल अलग दृष्टिकोण को भी स्वीकार किया, लेकिन विश्वास व्यक्त किया कि एक संतुलित समझौता संभव है।

नेहरू की विरासत को नष्ट करने की साजिश-सोनिया गांधी

नयी दिल्ली ०६/१२ (संवाददाता): कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की विरासत को विकृत और अपमानित करने के प्रयासों की कड़ी आलोचना की और इसे इतिहास को फिर से लिखने और राष्ट्र की नींव को नष्ट करने का एक सुनियोजित प्रयास बताया। सज़ारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जवाहरलाल नेहरू की विरासत को बदनाम करने का आरोप लगाते हुए, सोनिया गांधी ने दावा किया कि उनका लक्ष्य देश की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक नींव को नष्ट करना है।

राष्ट्रीय राजधानी स्थित जवाहर भवन में नेहरू सेंटर इंडिया के शुभारंभ के अवसर पर उन्होंने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि जवाहरलाल नेहरू को बदनाम करने की परियोजना आज सज़ाधारी प्रतिष्ठान का मुज़्य उद्देश्य है। उनका लक्ष्य केवल उन्हें मिटाना नहीं है, बल्कि वास्तव में उन सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक नींव को नष्ट करना है जिन पर हमारे राष्ट्र की स्थापना और निर्माण हुआ है। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष ने कहा कि हम उनके (पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू) योगदानों के निरंतर विश्लेषण का स्वागत करते हैं, लेकिन उन्हें बदनाम करने, विकृत करने, अपमानित करने और अपमानित करने का व्यवस्थित प्रयास अस्वीकार्य है।

उन्होंने कहा कि इसका एकमात्र उद्देश्य न केवल उन्हें एक व्यक्तित्व के रूप में, भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनकी सर्वमान्य भूमिका और अभूतपूर्व समस्याओं से जूझ रहे एक स्वतंत्र राष्ट्र के नेता के रूप में उनके शुरुआती दशकों को कमतर आंकना है, बल्कि इतिहास को फिर से लिखने के स्वार्थी प्रयास में उनकी बहुमुखी विरासत को भी नष्ट करना है।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND & CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

विविध समाचार

अंतरिक्ष में 1995 में पहली बार उगाया गया था आलू

ये बात हैरान कर सकती है कि ब्रह्मांड का सिर्फ 4% हिस्सा ग्रह, तारे और आकाशगंगाओं से बना है। बाकी 96% हिस्सा डार्क मैटर और डार्क एनर्जी से बना है, जिसे वैज्ञानिक अभी तक पूरी तरह समझ नहीं पाए है। अगर आप अंतरिक्ष में दो समान धातुओं के टुकड़े एक-दूसरे को स्पर्श करा दें तो वो स्थायी रूप से जुड़ सकते है। इस प्रक्रिया को कोल्ड वेल्डिंग कहा जाता है।

क्या आपने कभी आसमान की ओर देखते हुए अंतरिक्ष में जाने की कल्पना की है। अंतरिक्ष..वो ऐसा अनंत विस्तार जहां न कोई सीमा है न किनारा। ये सृष्टि का ऐसा अनदेखा कोना है जहा अनगिनत तारे टिमटिमाते रहते है..ग्रह अपनी कक्षाओं में घूमते है और धूमकेतु समय की नदी में तैरते हुए अपनी कहानियां लिखते है। ये ब्रह्मांड की अनंत गहराइयों में छिपे रहस्यों का भंडार है, जिसे लेकर मनुष्य हमेशा से जिज्ञासा में डूबा रहा है। यही वजह है कि विज्ञान के माध्यम से हमेशा स्पेस को जानने की कोशिश की जाती है।

जब हम रात के आसमान में चमकते तारों को देखते है तो एक प्रश्न हमारे मन में उठता है.. क्या वहां कहीं जीवन होगा? क्या अंतरिक्ष सिर्फ शून्य और अंधकार से भरा है या उसके पार भी कुछ है? वैज्ञानिकों का मानना है कि हमारा ब्रह्मांड अनंत है जिसमें न जाने कितने आकाशगंगाएं हैं, कितने ग्रह और जाने क्या-क्या रहस्य छिपे हुए है।

अंतरिक्ष में छिपे हैं जाने कितने रहस्य

आज भी ये प्रश्न अनुत्तरित है कि क्या पृथ्वी के अलावा भी कहीं और जीवन है? कुछ वैज्ञानिक मानते है कि किसी न किसी रूप में जीवन की संभावना ब्रह्मांड के किसी न किसी कोने में तो जरूर होगी। खोज में कई ऐसे ग्रह मिले हैं जो हमारी पृथ्वी से काफी मिलते-जुलते है। लेकिन ये रहस्य बना हुआ है कि वहां अगर जीवन होगा तो कैसा होगा। हम अपनी कल्पनाओं में एलियंस के चेहरे बनाते मिटाते रहते है। साइंस फिक्शन फिल्मों में जाने कितने एलियंस और अंतरिक्ष के छिपे हुए रहस्यों की कल्पनाओं को उकेरा गया है। लेकिन अब भी ये सिर्फ हमारी कल्पनाएं ही हैं। असलियत क्या है..वो जानने में जाने कितना समय और लगेगा। मगर अब तक अंतरिक्ष को लेकर जो खोज हुई है..

जानिए स्पेस से जुड़ी ये रोचक बातें

अंतरिक्ष में बिना सुरक्षा उपकरण के जिंदा रहना नामुमकिन - अगर कोई व्यक्ति बिना स्पेससूट के अंतरिक्ष में चला जाए तो वो सिर्फ दो मिनट तक ही जीवित रह सकता है। वहां न हवा होती है, न दबाव जिससे शरीर फट सकता है!

खाने में परेशानी - स्पेस में भोजन करना भी आसान नहीं। वहां खाने पर नमक या मिर्च सीधे छिड़का नहीं जा सकता क्योंकि वो हवा में तैरने लगेंगे और आंखों में भी जा सकते है। इसलिए अंतरिक्ष यात्री खास तरह के liquid food का इस्तेमाल करते हैं।

सोना भी एक चुनौती - अंतरिक्ष यात्री जीरो ग्रैविटी के कारण हवा में तैरते रहते है, इसलिए उन्हें सोने के लिए खास तरह के स्लीपिंग बैग में खुद को बांधना पड़ता है।

बृहस्पति का विशाल तूफान - हमारे सौर मंडल का सबसे बड़ा तूफान बृहस्पति ग्रह पर है, जिसे ग्रेट रेड स्पॉट कहा जाता है। यह धरती से दोगुना बड़ा है और सैकड़ों सालों से लगातार चल रहा है।

एक स्पेससूट की कीमत करोड़ों में - नासा के एक स्पेससूट की कीमत लगभग 90 करोड़ रुपये होती है। यह सूट अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित रखने के लिए हाईटेक तकनीक से बना होता है।

सबसे दूर गया मानव निर्मित यान - नासा का वॉयेजर 1 अंतरिक्ष यान अब तक 21.7 बिलियन किलोमीटर की दूरी तय कर चुका है और अब भी पृथ्वी से लगातार दूर जा रहा है।

अंतरिक्ष में आलू की खेती - 1995 में अंतरिक्ष में पहली बार आलू उगाया गया था जो अंतरिक्ष में भोजन उत्पादन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

अंतरिक्ष में पूरी तरह शांति है - चौंकाने वाली बात है कि अंतरिक्ष में कोई आवाज़ नहीं होती, क्योंकि वहां हवा नहीं है। यानी अगर आप वहां ज़ोर से चिल्लाएंगे तो भी कोई आपको सुन नहीं पाएगा।

रेलवे ट्रैक की चोरी है नामुमकिन, जानें इसकी वजह

इंडियन रेलवे दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। यह भारत के लोगों को एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंचाने का काम करते है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि एक दिन में पूरे देशभर से करीब 1300 ट्रेनों का संचालन होता है। लोग ट्रेन में सफर करने से पहले तरह-तरह की तैयारी कर लेते है। जैसे बैग पैकिंग या फिर खाने की पैकिंग। हालांकि, इससे पहले लोग अपनी सीट बुक कर लेते है, ताकि उन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने में किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो। इसमें आपको सीट नंबर, कोच नंबर, डेट ऑफ़ जर्नी, सहित अन्य तमाम जानकारी दी जाती है।

जब ट्रेन में सफर की शुरुआत होती है, तो आपको तरह-तरह के लोग मिलेंगे। तरह-तरह की चीजें देखने को मिलेंगी। इस दौरान आप बहुत से राज्यों की खूबसूरती को अपनी आंखों से निहार सकते हैं। हालांकि, इस दौरान आपके मन में बहुत सारी बातें चल सकती है। जैसे रेलवे का विस्तार किसने किया है, रेलवे ट्रैक कैसे बनाया जाता है, ट्रेन एक पटरी से दूसरी पटरी पर किस तरह जाती है या फिर कितने समय अंतराल में एक पटरी पर 2 ट्रेनें एक साथ चलती है, सिग्नल कैसे काम करता है, ड्राइवर को कौन ऑपरेट करता है, इत्यादि। ऐसी तमाम तरह के सवाल मन में हल्चल पैदा करती है। वहीं, कई बार आपने यह भी सोचा होगा कि सारी चीजों की चोरी सम्भव है, लेकिन कभी अपने समाचार में यह नहीं सुना होगा कि रेलवे ट्रैक का लोहा कभी किसी ने चुराया हो। इसके पीछे क्या वजह है यह जानना काफी दिलचस्प भरा है।

रेलवे ट्रैक की चोरी क्यों है नामुमकिन?

भारत का रेलवे ट्रैक लाखों करोड़ों किलोमीटर तक बिछा हुआ है। यह एकमात्र ऐसी चीज है, जिसे चोर या डकैत द्वारा चोरी नहीं किया जा सकता है। इसके पीछे एक बड़ी वजह है। सबसे पहली वजह तो यह है कि रेलवे की पटरिया स्लिपर्स की मदद से बहुत सुरक्षित तरीके से बांधे जाते है, जिसे खोलना एकदम आसान काम नहीं होता है और यह मिश्र धातु की बनी होती है, जिसे किसी भी चीज से काटना पॉसिबल नहीं होता है। इसके अलावा, दूसरी वजह यह है कि रेलवे ट्रैक का लोहा आप कहीं भी बेचे जाएंगे, तो इसे कोई खरीदना नहीं चाहता है क्योंकि अगर इसके बारे में किसी को भी भनक लग गई, तो उसे जेल हो सकती है। इसके साथ ही उस पर जुर्माना भी लग सकता है। इसलिए चोर या डकैत द्वारा कभी भी रेलवे ट्रैक नहीं चुराया जाता।

दुनिया की सबसे महंगी मछलियां

दुनिया में नॉनवेज खाने वालों की कोई कमी नहीं है। खासकर बंगाली परिवार में हर रोज सब्जी की तरह मछली बनाई जाती है। कुछ लोग मछली खाने के इतने ज्यादा शौकीन होते है कि वह तरह-तरह की मछलियां ट्राई करते है। अक्सर आपने महंगी मछलियों में इलिश मछली का नाम सुना होगा, जिसे शादियों में बनाया जाता है, लेकिन आज हम आपको उन मछलियों के बारे में बताएंगे जो कि दुनिया भर में सबसे महंगी मछलियों की लिस्ट में शामिल है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि दुनिया में एक ऐसा बाजार है, जहां मछलियों का ऑक्शन होता है। जिसमें लोग मछलियों पर बोली लगाकर उसे खरीदते हैं। इसके लिए लोग लाखों रुपये भी लगा देते है। समुद्री इलाके में रहने वाले लोग अधिकतर नॉनवेज खाना ही पसंद करते हैं, जिनमें उनका फेवरेट व्यंजन मछली-चावल होता है।

मछली पालने के भी होते हैं शौकीन

इससे यह साफ पता चलता है कि दुनिया में तरह-तरह के लोग रहते हैं। सभी को अलग-अलग तरीके का शौक होता है। कुछ लोगों को घूमना पसंद होता है, तो कुछ लोगों को अकेले रहना ज्यादा पसंद आता है। कुछ लोग फ्रेंड्स के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करते हैं, तो कुछ लोग अकेले ही एडवेंचर करते रहते हैं। कुछ ऐसे भी लोग होते हैं, जिन्हें जानवरों से लगाव होता है। तो वहीं मछली पालने के भी लोग बेहद शौकिन होते हैं।

ब्लूफिन टूना

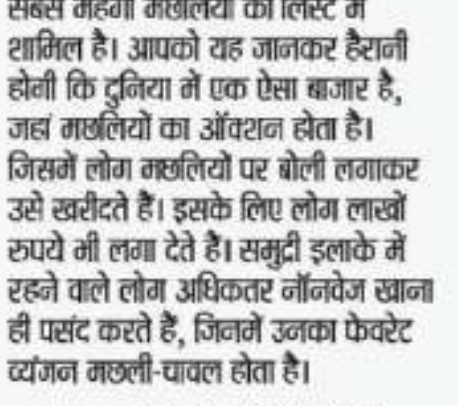

दुनिया की सबसे महंगी मछली की लिस्ट में सबसे पहला नाम ब्लूफिन टूना का आता है, जो इस साल की सबसे महंगी बिकने वाली मछली रही है। जिसकी कीमत 5000 प्रति पाउंड है। भारतीय रुपए के हिसाब से इसकी कीमत लगभग 4 लाख 20 हजार रुपये है। इसका स्वाद बाकी सभी मछलियों से काफी अलग होता है। जिसे लोग काफी चावल से खाना पसंद करते है।

अमेरिकन ग्लास ईल

वहीं, दूसरे स्थान पर अमेरिकन ग्लास ईल मछली का नाम आता है। जैसा कि नाम से ही समझ में आ रहा है कि यह अमेरिकन कंट्री में पाई जाती होगी। तो हां यह नॉर्थ अमेरिका के उत्तर पूर्वीय तटों में पाई जाती है। साइज में 3 इंच वाली यह मछली इंडियन मार्केट में 2,52,181 रुपये की बिकती है। इंटरनेशनल मार्केट में इसकी कीमत 3000 डॉलर प्रति पाउंड है। इस मछली की खासियत है कि यह 4 फीट तक बढ़ सकती है।

जंगली अलास्का किंग सैल्मन

मछली के साथ चावल खाने वाले लोगों को काफी ज्यादा पसंद आने वाले मछलियों में जंगली अलास्का किंग सैल्मन नाम शामिल है। भारतीय मार्केट में इसकी कीमत लगभग रुपये 6000 तक होती है। वहीं, इंटरनेशनल मार्केट में इसकी कीमत 70 प्रति पाउंड है, जो स्वाद में काफी लाजवाब और टेस्टी होता है।

पफर फिश

इसके बाद पफर फिश का नाम आता है। यह काफी ज्यादा खतरनाक भी होती है, क्योंकि इसके शरीर के चारों तरफ कांटे लगे होते है। इनमें विष भी होता है, अगर यह हाथ में गड़ जाए, तो शरीर पर विष फैल सकता है। इसकी सबसे ज्यादा डिमांड अमेरिका में है। इस मछली की कीमत 200 प्रति पाउंड है। इंडियन रुपये के हिसाब से वह रुपये 17000 है।

स्वोर्ड फिश

आपने अक्सर स्वोर्ड मछली के बारे में सुना होगा। यह तलवार की तरह दिखती है, जिसकी चोंच काफी नुकीली होती है। इंडियन मार्केट में इसकी कीमत 5100 रुपये है। यह मछली अटलांटिक महासागर में पाई जाती है। वहीं, इंटरनेशनल मार्केट की बात करें तो इसकी कीमत 60 प्रति पाउंड है। महंगी शादी, पार्टियों में इसे स्पाईस तरीके से बनाया जाता है।

दुनिया का इकलौता देश जहां मात्र 40 मिनट की होती है रात

समय का चक्र निरंतर घूमता रहता है। दुनिया के किसी हिस्से में सूर्य चमक रहा होता है, तो किसी हिस्से में रात का अंधेरा छाया होता है। सभी जगह दिन और रात का समय अलग-अलग होता है। भारत और अमेरिका के घड़ी की बात करें, तो इसमें काफी ज्यादा अंतर पाया जाता है। विभिन्न देशों में दिन और रात की लंबाई अलग-अलग होती है। कहीं पर दिन काफी ज्यादा लंबा होता है, तो कहीं रात काफी ज्यादा लंबी होती है। दुनिया में एक ऐसा देश भी है, जहां सबसे कम समय की रात होती है। यहां आधी रात के बाद सूर्य डूबता है और कुछ ही समय में फिर से उग जाता है।

दुनिया का इकलौता देश

जी हां! यह सुनकर आपको आश्चर्य जरूर हो रहा होगा, लेकिन यह बिल्कुल सच है। दरअसल, इस देश का नाम नॉर्वे है, जहां मात्र 40 मिनट की रात होती है। इसे लैंड ऑफ द मिडनाइट सन भी कहा जाता है। यहां रात करीब 12 बजकर 43 मिनट पर सूरज डूबता है और इसके 40 मिनट बाद, यानी रात के 1 बजकर 30 मिनट पर फिर से सूर्य उदय हो जाता है।

पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र

दरअसल, यह देश आर्कटिक सर्किल के पास है। जिस कारण गर्मी के महीने में सूर्य की किरणें इस क्षेत्र में सीधे पड़ती है, इसलिए यहां सूर्य बहुत कम देर के लिए ढलता है और रात बहुत छोटी होती है। यही कारण है कि नॉर्वे पर्यटकों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र है।

समृद्ध देशों में से एक

नॉर्वे उत्तरी यूरोप में स्थित है। इसके पश्चिम में अटलांटिक महासागर, पूर्व में स्वीडन, उत्तर में फिनलैंड और रूस है। यह दुनिया के सबसे समृद्ध देशों में से एक है। यहां की सुंदरता देखने लायक है। यदि आप भी इस जगह जाकर आनंद उठाना चाहते है, तो आप अपने फैमिली, फ्रेंड्स या फिर पार्टनर के साथ जा सकते है।

कलिंग समाचार

संपादकीय

रविवार 07 दिसंबर 2025

उच्च शिक्षण संस्थानों में नफरत का विस्तार

भाजपा शासन में नफरत का विस्तार किस हद तक किया जा रहा है, इसका ताजा उदाहरण ज मू-कश्मीर से आया है, जहां कटरा के श्री माता वैष्णो देवी इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस में मुस्लिम छात्रों का दाखिला रद्द करने की भाजपा ने की और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस मांग को स्वीकार भी कर लिया। यह सरासर छात्रों के साथ अन्याय है और उस संविधान का भी अपमान है, जिसकी शपथ उपराज्यपाल ने पद ग्रहण करते वक्त ली थी। भाजपा की तो राजनीति ही धर्मांधता और नफरत की है, लेकिन क्या मनोज सिन्हा अब भी खुद को भाजपा की राजनीति से बांध कर चल रहे हैं। जबकि उनका पद उन्हें दलगत राजनीति से ऊपर उठकर संविधान की मर्यादा के अनुरूप फैसले लेने की मांग करता है। गौरतलब है कि ज मू-कश्मीर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा की अगुवाई में पांच सदस्यीय भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार 22 नवंबर को एलजी मनोज सिन्हा से मुलाकात की और मांग की कि प्रतिनिधिमंडल ने श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के नियमों में संशोधन कर विश्वविद्यालय में केवल हिंदू छात्रों के लिए सीटें आरक्षित की जाएं। इसके साथ ही इस साल मुस्लिम छात्रों का दाखिला रद्द करने की मांग की। सुनील शर्मा का कहना है कि %इस साल प्रवेश सूची में ज्यादातर छात्र एक ही समुदाय से हैं। यह विश्वविद्यालय एक धार्मिक संस्था है। हर श्रद्धालु अपनी भक्ति भावना से इस धार्मिक संस्था को दान देता है और चाहता है कि उसकी आस्था को बढ़ावा मिले। लेकिन बोर्ड और विश्वविद्यालय दोनों ने इस पहलू पर ध्यान नहीं दिया। हमने एलजी से साफ कहा है कि केवल वही छात्र प्रवेश पा सकें जिन्हें माता वैष्णो देवी में आस्था हो । जबकि उनका पद उन्हें दलगत राजनीति से ऊपर उठकर संविधान की मर्यादा के अनुरूप फैसले लेने की मांग करता है। गौरतलब है कि ज मू-कश्मीर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा की अगुवाई में पांच सदस्यीय भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार 22 नवंबर को एलजी मनोज सिन्हा से मुलाकात की और मांग की कि प्रतिनिधिमंडल ने श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के नियमों में संशोधन कर विश्वविद्यालय में केवल हिंदू छात्रों के लिए सीटें आरक्षित की जाएं। इसके साथ ही इस साल मुस्लिम छात्रों का दाखिला रद्द करने की मांग की। सुनील शर्मा का कहना है कि इस साल प्रवेश सूची में ज्यादातर छात्र एक ही समुदाय से हैं। यह विश्वविद्यालय एक धार्मिक संस्था है। हर श्रद्धालु अपनी भक्ति भावना से इस धार्मिक संस्था को दान देता है और चाहता है कि उसकी आस्था को बढ़ावा मिले। लेकिन बोर्ड और विश्वविद्यालय दोनों ने इस पहलू पर ध्यान नहीं दिया। हमने एलजी से साफ कहा है कि केवल वही छात्र प्रवेश पा सकें जिन्हें माता वैष्णो देवी में आस्था हो। दरअसल ज मू कश्मीर बोर्ड ऑफ प्रोफेशनल एंट्रेंस एग्जामिनेशन (जेकेबीओपीईई) ने श्री माता वैष्णोदेवी इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस में दाखिले के लिए 50 छात्रों की सूची जारी की थी, जिसमें 42 कश्मीर के और 8 ज मू के छात्रों का नाम था। इसके बाद विहिप और बजरंग दल ने कटरा में संस्थान के बाहर प्रदर्शन किया और वैष्णोदेवी श्राइन बोर्ड के मु य कार्यकारी अधिकारी का पुतला जलाया। वहीं विहिप के ज मू-कश्मीर अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने कहा कि 2025-26 सत्र के दाखिले रोके जाएं और प्रबंधन अपनी गलती' सुधारते हुए सुनिश्चित करे कि अगली बार चुने जाने वाले छात्रों में बहुमत हिंदू हों। उन्होंने इस बार तैयार की गई 50 छात्रों की सूची को मेडिकल कॉलेज का इस्लामीकरण करने की साजिश' बताया। वहीं अधिकारियों ने कहा था कि सभी दाखिले नियमों के अनुसार किए गए हैं और राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप हैं। विश्वविद्यालय में धर्म के आधार पर दाखिला देने की इस बेतुकी मांग को लेकर भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ परिवार से जुड़े संगठन ज मू में लगातार विरोध प्रदर्शन और बैठकें भी कर रहे हैं, जिससे अनावश्यक धार्मिक तनाव बढ़ रहा है और ज मू बनाम घाटी का मसला फिर खड़ा होता दिख रहा है। मु यमंत्री उमर अब्दुल्ला का कहना है कि विरोध अनावश्यक है और प्रवेश पूरी तरह मेरिट पर आधारित है।

भारत के बढ़ते विदेशी कर्ज के पीछे बढ़ता व्यापार घाटा

नन्तू बनर्जी

रुपये की लगातार गिरावट ने एक गलत चक्र बना दिया है, जिससे रुपये के हिसाब से आयात महंगा हो गया है और घरेलू करेंसी का एक्सचेंज मूल्य कम होने से विदेशी कर्ज़ चुकाना और भी महंगा हो गया है। रुपये में विदेशी कर्ज़ चुकाना और भुगतान करना और भी महंगा साबित होता है। इससे सरकार और विदेशी लोन वाली भारतीय बिज़नेस कंपनियों के वित्त पर दबाव पड़ता है। सरकार भले ही इससे सहमत न हो, लेकिन भारत का लगातार व्यापार घाटा देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर रहा है, जबकि विकास दर शानदार है। पिछले महीने, आयात पर ज्यादा ध्यान देने वाले भारत का व्यापार घाटा 41अरबडालरके रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, क्योंकि निर्यात में एक साल में सबसे ज्यादा गिरावट देखी गई। बदकिस्मती से, अक्टूबर के दौरान देश में सोने के आयात में भारी उछाल आया, जो बड़े व्यापार घाटा का एक कारण है।यह स्थिति तब है जब 2024 ग्लोबल मल्टीडायमेंशनलपॉवर्टी इंडेक्स (एमपीआई) के अनुसार,भारत में दुनिया के सबसे ज्यादा (23.4 करोड़)लोग अत्यंत गरीबी में जी रहे हैं।

लगातार व्यापार घाटा देश को और ज्यादा बाहरी उधार लेने के लिए मजबूर कर रहा है, जिससे भारतीय रुपये का मूल्य कम हो रहा है। दिसंबर 2024 के आखिर में देश का बाहरी कर्ज़ लगभग 718अरब हो गया था, जो दिसंबर 2023 से 69.2अरब ज्यादा था, जिससे बाहरी कर्ज़ और जीडीपी का अनुपात 19.1प्रतिशत हो गया। इस साल जून के आखिर तक, बाहरी कर्ज़ बढ़कर 747.2अरब हो गया था।

सवाल यह है कि देश सोना, चांदी, कीमती मेटल, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और गैजेट, एयर-कंडीशनर, हेडफ़ोन, जूते, प्लास्टिक से बने सामान, फर्नीचर और घर की सजावट जैसे प्रोडक्ट, और सेब, बादाम और काजू जैसे खाने के प्रोडक्ट के आयात को बहुत कम क्यों नहीं कर रहा है? असल में, देश में गैर-ज़रूरी सामान के आयात में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है, जो अमीर और उच्च मध्यम वर्ग की उपभोक्ता मांग और उद्योगों की वजह से हो रही है, जो बढ़ते व्यापार घाटे में योगदान दे रहे हैं।

बाजार हालांकि माना जा रहा है कि सरकार हाल ही में इलेक्ट्रॉनिक्स और कुछ कंज्यूमर ड्यूरेबल्स समेत इनमें से कुछ आयातों पर नज़र रख रही है, लेकिन ज्यादा आयात शुल्क, क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर लागू करने और लैपटॉप और फ़ोन जैसे कुछ सामान पर रोक लगाने जैसे उपायों के ज़रिए उनके आयात में वृद्धि को रोकने के लिए उठाए गए कदम, काफी नहीं हैं। रूस से डिस्काउंट रेट पर तेल के आयात से होने वाली भारी विदेशी मुद्रा की बचत का उपयोग गैर-ज़रूरी सामानों के बढ़ते आयात में करने के कारण कुल व्यापारिक घाटे पर बहुत कम असर पड़ा। ज्यादा जानें आर्थिक समाचार बुलेटिन युवा केंद्रित सामग्री युवा विशेष सामग्री प्रादेशिक समाचार अलर्ट संपादकीय लेख संग्रह मनोरंजन समाचार साक्षात्कार संग्रह बॉलीवुड समाचार संग्रह क्षेत्रीय समाचार कवरेज ई-पेपर एक्सेस द्यद्मश्च ऋद्धह्लह्य - ललित सुरजन की कलम से - बिहार के बाद क्या? हैरानी की बात है कि मुंबई के ज्वेलरी बाज़ार में मौजूद इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की खुशी के लिए, आयात शुल्क में हाल ही में की गई चुनिंदा बढ़ोतरी से सोने को बाहर रखा गया है।

यह एसोसिएशन पूरे देश में काम करता है और देश में रोज़ाना सोने के रेट तय करने में अहम भूमिका निभाता है। भारत के पुराने और मौजूदा बुलियन ट्रेड का एक बड़ा हिस्सा गुजराती समुदाय और अहमदाबाद में गुजरात बुलियन रिफाइनरी जैसी बड़ी संस्थाओं से मज़बूत संबंध रखता है। भारत के सोने के आयात का स्विस कनेक्शन मज़बूत है। भारत को सोना का एक बड़ा आपूर्तिकर्ता है स्विट्जरलैंड,जो भारत के कुल सोने के आयात का एक बड़े हिस्से की आपूर्ति करता है।

हाल ही में मंज़ूर हुए इंडिया-यूएफटीए(यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन) ट्रेड और इकानॉमिक पार्टनरशिप एग्रीमेंट से भारत और स्विट्जरलैंड के बीच व्यापार और निवेश को और बढ़ावा मिलने की उ मीद है।

मज़े की बात यह है कि स्विट्जरलैंड को भारत का निर्यात हमेशा बहुत कम रहा है। 2024-25 में, स्विट्जरलैंड को भारत का कुल निर्यात सिर्फ .1.51अरब के आसपास था, जबकि आयात 22.4अरब था, जिससे भारत को काफ़ी व्यापार घाटा हुआ। स्विट्जरलैंड से भारत के ज्यादातर आयात में सोना होता है। 2020-21 और 2024-25 के बीच स्विट्जरलैंड के साथ कुल व्यापार 4.62प्रतिशत की सालाना कंपाउंड रेट से बढ़ा। भारत का लगातार बड़ा व्यापार घाटा और काफ़ी बढ़ता बाहरी कर्ज़ रुपये के मूल्य पर काफ़ी नीचे की ओर दबाव डाल रहा है क्योंकि अमेरिकी डॉलर जैसी विदेशी करेंसी की मांग लगातार बढ़ रही है ताकि ज्यादा से ज्यादा आयात और कर्ज़ चुकाने के लिए भुगतान किया जा सके। पहले से, देश कच्चे तेल, सोने और इलेक्ट्रॉनिक्स के आयात पर बहुत ज्यादा निर्भर रहा है। बड़े व्यापार घाटा से भुगतान संतुलन पर असर पड़ रहा है। लगातार व्यापार घाटा से करेंट अकाउंट डेफिसिट बढ़ता है, जिसे विदेशी निवेशक अक्सर आर्थिक अस्थिरता का संकेत मानते हैं, जिससे घरेलू करेंसी पर और दबाव पड़ता है। ज्यादा जानें प्रादेशिक समाचार आर्थिक समाचार बुलेटिन खेल जगत समाचार राजनीतिक विश्लेषण अंतरराष्ट्रीय समाचार विदेश समाचार सारांश प्रादेशिक समाचार अलर्ट साक्षात्कार वीडियो समाचार संग्रह डेटाबेस राजनीतिक विश्लेषण सेवाएं इससे पता चलता है कि भारत के बड़े और बढ़ते बाज़ार और शानदार आर्थिक विकास के बावजूद विदेशी निवेशक भारत में निवेश करने के लिए ज्यादा उत्साह क्यों नहीं दिखा रहे हैं। रुपया लगातार दबाव में रहा है।

2014 में, जब एनडीए सरकार सत्ता में आई थी, तो रुपया-अमेरिकी डालर एक्सचेंज रेट था- 1डालर के लिए 60.95 रुपया। पिछले शुक्रवार को, यह प्रति अमेरिकी डालर के लिए 90रुपये को पार कर गया। महीना अभी खत्म नहीं हुआ है।

2025 में रुपया काफ़ी कमज़ोर हुआ, खराब आर्थिक फंडामेंटल्स (जो मज़बूत बने हुए हैं) की वजह से नहीं, बल्कि मु य रूप से पूंजी के आवक में तेज़ गिरावट की वजह से, जिसमें कमज़ोर एफडीआई और .16 अरब का एफपीआई निकास शामिल है। रुपये की लगातार गिरावट ने एक गलत चक्र बना दिया है, जिससे रुपये के हिसाब से आयात महंगा हो गया है और घरेलू करेंसी का एक्सचेंज मूल्य कम होने से विदेशी कर्ज़ चुकाना और भी महंगा हो गया है। रुपये में विदेशी कर्ज़ चुकाना और भुगतान करना और भी महंगा साबित होता है। इससे सरकार और विदेशी लोन वाली भारतीय बिज़नेस कंपनियों के वित्त पर दबाव पड़ता है। एक्सचेंज रेट में उतार-चढ़ाव का सीधा असर कर्ज़ चुकाने की लागत पर पड़ता है। अचानक या तेज़ अवमूल्यन से कर्ज़ का बोझ अचानक और काफ़ी बढ़ सकता है। ऐसी स्थिति से निवेशकों के भरोसे पर बुरा असर पड़ना तय है। विदेशी कर्ज़ का बढ़ता लेवल, खासकर अल्पावधि कर्ज़, वैश्विक आर्थिक झटकों या कर्ज़ संकट के प्रति संभावित कमज़ोरी का संकेत दे सकता है।

यह फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स (एफपीआई) और फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टर्स (एफडीआई) को रोक सकता है। असल में, इस स्थिति से पूंजी का निकास हो रहा है, जिससे रुपया और कमज़ोर हो रहा है।

ज्यादा जानें अंतरराष्ट्रीय समाचार राष्ट्रीय समाचार आर्थिक समाचार बुलेटिन युवा विशेष सामग्री समाचार पत्र सदस्यता संपादकीय लेख संग्रह समाचार पत्र क्षेत्रीय समाचार पत्र विविध समाचार प्रादेशिक समाचार अलर्ट ज्यादा जानें विविध समाचार ई-पेपर सदस्यता राष्ट्रीय समाचार मनोरंजन समाचार विदेश समाचार सारांश अखबार साक्षात्कार वीडियो विशेष रिपोर्ट ऐतिहासिक समाचार संग्रह क्षेत्रीय समाचार पत्र अब समय आ गया है कि सरकार देश के गैर-ज़रूरी चीज़ों के आयात को अपनी निर्यात कमाई से जोड़ने के लिए मज़बूत रुख अपनाए। भारत को अपनी एक्सपोर्ट मैन्युफैक्चरिंग और ग्लोबल कॉम्पिटिवनेस को बेहतर बनाने के लिए समय के साथ एक मज़बूत पॉलिसी बूस्ट देना होगा। दुनिया के बाजार के रुझान के हिसाब से भारत के निर्यात के चरित्र में भी बदलाव की ज़रूरत है। भारत कई सालों से लगातार व्यापार घाटे का सामना कर रहा है, जिसकी मु य वजह ऊर्जा (खासकर कच्चा तेल), सोना और इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए आयात पर इसकी निर्भरता है। देश चीन से तेल आयात नहीं करता है। फिर भी, इलेक्ट्रॉनिक्स और इंडस्ट्रियल इनपुट के ज्यादा आयात की वजह से, भारत का चीन के साथ व्यापार घाटा बहुत बड़ा और बढ़ता जा रहा है, जो वित्तीय वर्ष 2024-25 में रिकॉर्ड 99 अरब तक पहुंच गया। चीन भारत से आयात को बढ़ावा नहीं देता है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का तेल आयात देश के कुल मर्केंडाइज़ इंपोर्ट का सिर्फ़ 29.24 प्रतिशत था। यह दुख की बात है कि बढ़ते व्यापार घाटे के बोझ और देश के विदेशी उधार और देश में आने वाले विदेशी निवेश पर इसके असर के बावजूद सरकार गैर-ज़रूरी सामानों के आयात को नियंत्रित करने में नाकाम रही है।

असरदार सामाजिक सुरक्षा की ज़रूरत पर ज़ोर देता है भारत पर आईएमएफ का दस्तावेज

अंजन रॉय

आईएमएफ ने भारतीय अर्थव्यवस्था के कामकाज में अच्छाई देखी है, जिसने संयुक्त राज्य अमेरिका के बहुत ज्यादा ऊंचे टैरिफ स्तर के बुरे असर को असरदार तरीके से झेला है।

अमेरिका को भारत के निर्यात पर 50प्रतिशत टैरिफ के बावजूद, भारत खुशी-खुशी 6प्रतिशत से ऊपर की दर से बढ़ता रहा है। यह किसी भी हिसाब से अच्छा कार्य निष्पादन है। अन्तरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की भारत के साथ ताजा देश स्तरीय विचार-विमर्श के बाद किये गये आकलन से भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान हालत की अच्छी तस्वीर सामने आई है। आईएमएफ के कार्यपालक निदेशकों ने भारत सरकार को अपनी सलाह-मशविरा रिपोर्ट सौंपी है, और साथ ही सरकार और उसकी अर्थव्यवस्था के प्रबंधकों के लिए अपनी सिफारिशें भी दी हैं। आईएमएफ की समीक्षा और सिफारिशों से दो बातें सामने आई हैं जिन पर ध्यान से विचार करने की ज़रूरत है।

पहली, आईएमएफ ने वित्तीय हालत के लिए, सरकार की योजना पर ध्यान दिया है, लेकिन खर्च की मॉनिटरिंग और पुनर्समीक्षा की अहमियत पर भी ज़ोर दिया है। दूसरी बात, यह देखते हुए कि भारतीय वित्तीय क्षेत्र मज़बूत और आम तौर पर स्थिर है, उसने एक ऐसे क्षेत्र का भी ज़िक्र किया है जहां कमज़ोरी है। वह है बड़े और बढ़ते नॉन-बैंकिंग वित्तीय क्षेत्र की गंभीर कमज़ोरियां। आईएमएफ रिपोर्ट बताती है- %निदेशकों ने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत की वित्तीय प्रणाली मज़बूत रही है, जिसे मज़बूत पूंजी और नकद स्थिति का सहयोग मिला है।

लेकिन, आईएमएफ के अर्थशास्त्रियों ने भारतीय अधिकारियों से कहा कि, वे नॉन-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों के बीच कमज़ोरियों को कम करें और उनकी सघनता और बढ़ते वित्तीय क्षेत्र के आपस में जुड़े होने से होने वाले जोखिम पर सावधानी से नज़र रखें। बड़ी कंपनियों के मुनाफे के लिए बनाया गया दवा बाजार नॉन-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों के आपस में जुड़े होने की हाल की कुछ घटनाएं इस मुद्दे को सुलझाने की ज़रूरत को दिखाती हैं। सरकार के खर्च पर सावधानी बरतने की सलाह एक अच्छी सलाह लगती है। खर्च पर नियंत्रण और सार्वजनिक खर्च से मिलने वाली आय और गुणवत्ता की निगरानी, सरकारी वित्त के प्रबंधन का एक ज़रूरी पहलू है। ज्यादा जानें युवा केंद्रित सामग्री समाचार संग्रह डेटाबेस विविध विषय पॉडकास्ट विशेष रिपोर्ट प्रादेशिक समाचार ब्रेकिंग न्यूज़ अलर्ट युवा विशेष सामग्री बॉलीवुड न्यूज़ अपडेट ऐतिहासिक समाचार संग्रह हिंदी भाषा पाठ्यक्रम सरकार की वित्तीय मजबूती की योजना की तारीफ़ करते हुए, आईएमएफ के निदेशकों ने सुझाव दिया है कि %वित्तीय घाटे के लक्ष्य को पाने के लिए खर्च पर मज़बूत अनुशासन की ज़रूरत होगी। यह एक आम सच है। किसी व्यक्ति की जेब में एक रुपया सरकार के खजाने की तुलना में कहीं ज्यादा उत्पादक होता है और कहीं ज्यादा सावधानी से खर्च किया जाता है।

हमेशा की तरह, उन्होंने लगातार मज़बूत आर्थिक विकास दर और 2047 तक देश को विकसित अर्थव्यवस्था का दर्जा दिलाने के मकसद को पाने के लिए एक ज़रूरी नीतिगत पहल के तौर पर ढांचागत सुधार पर ज़ोर दिया है। आईएमएफ की रिपोर्ट में कहा गया है- आगे देखते हुए, भारत की एक विकसित अर्थव्यस्था बनने की इच्छा को बड़े ढांचागत सुधार को आगे बढ़ाकर सपोर्ट किया जा सकता है जो ज्यादा संभावित आर्थिक विकास को मुमकिन बनाते हैं।

आईएमएफ ने सुधार के उपायों के पैकेज को बताने के मामले में ज्यादा कुछ नहीं किया है, सिवाय वित्तीय मजबूती के मकसद को जारी रखने और जीएसटी और आय कर की दरों में कमी के कुल सरकारी राजस्व पर असर पर नज़र रखने जैसी आम बातों के।

आईएमएफ की रिपोर्ट पढ़ना उसके पहले के नीतिगत पुलिंदे के रुख से काफी अलग है। उदाहरण के लिए, आईएमएफ ने सामाजिक सुरक्षा की ज्यादा ज़रूरत पर ज़ोर दिया है, जो पहले उसके लिए एक अभिशाप हुआ करता था। इसने विदेशी मुद्रा बाजार में अव्यवस्थित हालात और सट्टेबाजी को रोकने के इरादे पर भी ज़ोर दिया है। एक समय था जब विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में स्थिरता लाने के लिए दखल देने का आईएमएफ के अर्थशास्त्री मज़ाक उड़ाते थे। आखिर ये फ्री मार्केट के कामकाज में दखल थे, और आखिर, विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार सभी फ्री मार्केट का पवित्र प्याला था।

खैर, इन सोच या तय बातों को छोड़ दें, तो कुल मिलाकर आईएमएफ की समीक्षा भारतीय अर्थव्यवस्था की कुछ खास ताकतों को सामने लाती है, जैसा कि आईएमएफ के कार्यपालक निदेशकों ने अपनी रिपोर्ट में बताया है। सबसे ज़रूरी और खास बात यह है कि आईएमएफ ने भारतीय अर्थव्यवस्था के कामकाज में अच्छाई देखी है, जिसने संयुक्त राज्य अमेरिका के बहुत ज्यादा ऊंचे टैरिफ स्तर के बुरे असर को असरदार तरीके से झेला है। अमेरिका को भारत के निर्यात पर 50प्रतिशत टैरिफ के बावजूद, भारत खुशी-खुशी 6प्रतिशत से ऊपर की दर से बढ़ता रहा है। यह किसी भी हिसाब से अच्छा कार्य निष्पादन है।

ज्यादा जानें क्षेत्रीय समाचार कवरेज राष्ट्रीय समाचार बॉलीवुड न्यूज़ अपडेट विविध समाचार आर्थिक समाचार बुलेटिन युवा केंद्रित सामग्री अर्थजगत समाचार अंतरराष्ट्रीय समाचार कविता संग्रह पुस्तकें साक्षात्कार संग्रह ज्यादा जानें विशेष रिपोर्ट सदस्यता कविता संग्रह पुस्तकें साक्षात्कार संग्रह अर्थजगत समाचार क्षेत्रीय समाचार पत्र समाचार संग्रह डेटाबेस क्षेत्रीय समाचार कवरेज अखबार ई-पेपर एक्सेस समाचार पत्र भारत के आर्थिक विकास की दर अच्छी बनी हुई है, जबकि कीमतें स्थिर रही हैं और कुछ कमी भी देखी गई है। आईएमएफ की राष्ट्रीय रिपोर्ट के अनुसार भारत की विकास दर 2024-25 में 6.5प्रतिशत थी जबकि 2025-26 की पहली तिमाही में वास्तविक जीडीपी विकास दर 7.8प्रतिशत बढ़ेगी।

खाने की चीज़ों की कम कीमतों की वजह से महंगाई की सुर्खियों में तेज़ी से गिरावट आई। आईएमएफ को उ मीद है कि इस साल के अच्छे मानसून और तेल की गिरती कीमतों की वजह से महंगाई का स्तर स्थिर रहेगा। इसमें कोई शक नहीं कि कीमतों में स्थिरता लगातार खुशहाली का एक ज़रूरी हिस्सा है, खासकर एक लोकतांत्रिक प्रणाली में। बेशक, जीएसटी के पुनर्समायोजन से कीमतों को और नियंत्रित रखने में मदद मिलती। हालांकि, यह फैक्टर अगले साल हमारे लिए परेशानी का सबब बनेगा और लगातार ग्रामीण मांग से बढ़ने वाली नई कीमतों से कीमतें बढ़ सकती हैं। हालांकि, लगातार वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल और अनिश्चित व्यापार संभावनाओं को देखते हुए, आर्थिक विकास के घरेलू संचालक ज्यादा अहमियत रखते हैं। मज़बूत घरेलू मांग, खासकर ग्रामीण उपभोक्ता मांग, बिना किसी शक के आर्थिक विकास दर को ऊंचे स्तर पर बनाए रखने में अहम भूमिका निभा रही है। इसकी कुंजी मज़बूत घरेलू मांग लगती है, जिससे कुल आर्थिक विकास दर को ऊंचे स्तर पर बनाए रखने में मदद मिलनी चाहिए। यह यही मु य कारण है कि घरेलू कॉर्पोरेट और वित्तीय क्षेत्र में तेज़ी बनी हुई है। भारतीय अर्थव्यवस्था के कार्य निष्पादन और संभावनाओं का आकलन करने के लिए, आईएमएफ ने कुछ साफ़ मुद्दों पर ध्यान दिलाया है। एक अच्छे कारक के तौर पर, फंड के अर्थशास्त्रियों ने निर्यात बढ़ाने के लिए तेज़ी से ट्रेड डील करने की अहमियत पर ज़ोर दिया है। आईएमएफ ने ज़ोर देकर कहा, %नकारात्मक पहलू यह है कि वैश्विक आर्थिक बंटवारे के और गहराने से वित्तीय हालात और मुश्किल हो सकते हैं, इनपुट कॉस्ट बढ़ सकती है, और व्यापार, एफडीआई और आर्थिक विकास दर कम हो सकती है।

घरेलू अर्थव्यवस्था के लिए, आईएमएफ ने साफ़ बातों पर ज़ोर दिया है- %मौसम के अचानक झटके फसल की पैदावार पर असर डाल सकते हैं, ग्रामीण खपत पर बुरा असर डाल सकते हैं और महंगाई का दबाव फिर से बढ़ा सकते हैं।

विविध समाचार

नशेड़ी पोते ने गले में चाकू मार की दादी की हत्या, फिर लाश पर गैस सिलेंडर रख ऊपर से चादर डाल छिपाया

मोहाली ०६/१२ (संवाददाता): पंजाब के मोहाली जिले के डेराबस्सी कस्बे में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। नशे की हालत में धुत एक युवक ने अपनी 85 वर्षीय दादी की गले पर चाकू से वार कर हत्या कर दी। हत्या के बाद उसने शव को छिपाने की कोशिश में कपड़े में लपेटकर उसके ऊपर गैस सिलेंडर रख दिया।

मृतका की पहचान गुरबचन कौर के रूप में हुई है, जबकि आरोपी पोते का नाम आशीष बताया गया है। पुलिस ने मौके से दादी के गले में फंसा हुआ चाकू बरामद किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने वारदात के समय भारी मात्रा में शराब पी रखी थी। थाना डेराबस्सी प्रभारी सुमित मोर ने बताया कि आरोपी शराब का आदी है और नशे की लत को लेकर अकसर अपनी दादी से झगड़ा करता था। बुधवार दोपहर वह शराब के नशे में घर पहुंचा और मामूली कहासुनी के बाद किचन से चाकू उठाकर दादी के गले पर वार कर दिया। हत्या के बाद आरोपी ने शव छिपाने का प्रयास किया और घर से फरार हो गया। पुलिस ने उसे थोड़ी देर बाद ही पकड़ लिया।

आरोपी की मां, जो एक स्कूल टीचर हैं, ने बताया कि जब वे दोपहर करीब 2रू50 बजे स्कूल से लौटीं, तो बेटे आशीष ने उन्हें देखते ही घर से भागने की कोशिश की। घर में दाखिल होकर उन्होंने अपनी सास को खून से लथपथ हालत में मृत पाया। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। परिवार के अनुसार, आशीष 12वीं तक पढ़ा हुआ है और पिछले कुछ महीनों से बेरोजगार था। कुछ समय पहले उसका एक युवती से ब्रेकअप हुआ था, जिसके बाद वह मानसिक रूप से टूट गया और नशे का आदी बन गया। घरवाले उसे नशा छोड़ने के लिए कहते थे, जिस पर वह अकसर झगड़ने लगता था। पुलिस ने आरोपी आशीष को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी सुमित मोर ने बताया कि घटना स्थल की वीडियोग्राफी कर साक्ष्य जुटाए गए हैं। आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है और आगे की कार्रवाई जारी है।

एएसआई संदीप लाठर की आत्महत्या मामला : आईपीएस पूरन की पत्नी और एमएलए भाई पर एफआईआर दर्ज, परिवार का पोस्टमॉर्टम से इनकार

रोहतक ०६/१२ (संवाददाता): हरियाणा में सीनियर IPS अधिकारी वाई. पूरन कुमार पर गंभीर आरोप लगाकर आत्महत्या करने वाले ASI संदीप लाठर के परिजनों ने अब पोस्टमॉर्टम से इनकार कर दिया है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने IPS की पत्नी अमनीत कुमार, उनके भाई आप विधायक अमित मान और गनमैन सुशील के खिलाफ FIR दर्ज कर ली है। परिवार ने शव को फिलहाल रोहतक जिले के लाढ़ौत गांव में अपने मामा के घर रखा हुआ है। रातभर ग्रामीण और रिश्तेदार वहीं डटे रहे। परिजनों का कहना है कि जब तक सरकार और पुलिस प्रशासन द्वारा ठोस कार्रवाई नहीं की जाती, वे पोस्टमॉर्टम नहीं करवाएंगे। रोहतक के ASP शशि शेखर,ैक्ड आशीष कुमार और मुख्यमंत्री के OSD विरेंदर सिंह ने परिजनों से मुलाकात कर समझाने की कोशिश की, लेकिन परिजन रात तक तैयार नहीं हुए। बुधवार सुबह मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार और महिपाल ढांडा स्वयं लाढ़ौत गांव पहुंचे और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। इसके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, इनेलो प्रमुख अभय चौटाला और नेता सुनैना चौटाला ने भी परिजनों से मुलाकात की। बता दें कि मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे, ASI संदीप लाठर ने धामड़ रोड स्थित मामा के खेतों में बने कोठड़े की छत पर अपनी सर्विस रिवॉल्वर से गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी। घटनास्थल से एक वीडियो और चार पेज का सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें संदीप ने IPS वाई. पूरन कुमार पर भ्रष्टाचार और मानसिक उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुसाइड नोट और मोबाइल वीडियो को फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच सीनियर पुलिस अधिकारियों की निगरानी में जारी है। वहीं प्रशासन ने परिवार से अपील की है कि पोस्टमॉर्टम के बाद अंतिम संस्कार की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाए ताकि जांच सुचारू रूप से चल सके।

हरियाणा सरकार का एक साल : कई संकल्प पूरे... मगर चुनौतियां बरकरार

चंडीगढ ०६/१२ (संवाददाता): हरियाणा के इतिहास में पहली बार किसी राजनैतिक दल ने लगातार तीसरी बार सत्ता की कुर्सी हासिल की है। 17 अक्तूबर 2024 को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व उनके 13 मंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में पंचकूला के परेड ग्राउंड में शपथ ली। सत्ता संभालने के अगले ही दिन राज्य सरकार ने किडनी रोग से पीड़ितों को मुफ्त डायलिसिस व अनुसूचित जाति के आरक्षण को दो वर्गों में वर्गीकरण कर वंचित अनुसूचित जातियों को सौगात दी। इसके अलावा भी कई छोटे–बड़े फैसले लिए गए, जिनमें लाडो लक्ष्मी योजना, शामलात भूमि पर 20 वर्षों से काबिज पट्टेदारों को भूमि का मालिकाना हक, अग्निवीरों को पुलिस की भर्तियों में 20 फीसदी कोटा, पीएम विद्यालक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत 4533 लाभार्थियों को प्लॉट देने संबंधी फैसले शामिल रहे। राज्य सरकार का दावा है कि चुनाव में किए 217 संकल्प में से 48 संकल्पों को पूरा कर दिया गया है। वहीं, दूसरी ओर कुछ ऐसे मुद्दे भी रहे, जिनसे सरकार को जूझना पड़ा। गुरुग्राम में जलभराव की स्थिति, बिगड़ती कानून व्यवस्था, आपदा से बर्बाद फसलों कम मुआवजा व खाद संकट जैसे कई मुद्दों पर विपक्ष सरकार को निशाने पर लेता रहा। वहीं, कई ऐसे भी मौके आए, जब सरकार को असहज स्थिति का सामना करना पड़ा। वाई पूरण प्रकरण मामले को मैनेज करने में सरकार असफल रही, जिससे राज्य सरकार को अपनी पहली वर्षगांठ में पीएम मोदी की रैली को स्थगित करना पड़ा। राज्य सरकार जश्न भी नहीं मना पाई। अनुसूचित जाति में कोटे में कोटा रू सत्ता संभालते ही हरियाणा सरकार ने अनुसूचित जाति में नौकरियों के लिए कोटे के अंदर कोटे का प्रावधान किया। हरियाणा सरकार अपने कार्यकाल के पहले ही साल लाडो लक्ष्मी योजना को लागू कर दिया। एक नवंबर से लाभार्थी महिलाओं को हर महीने 2100 रुपये दिए जाएंगे। सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेज में किडनी मरीजों को मुफ्त डायलिसिस की सौगात दी गई है। पिछले साल इस योजना की शुरुआत हुई थी। हिसार एयरपोर्ट से अयोध्या, चंडीगढ़, दिल्ली और जयपुर के लिए उड़ान का शुरू होना भी राज्य सरकार के लिए बड़ी उपलब्धि है।अब से अहमदाबाद और जम्मू के लिए उड़ान शुरू की जानी है। कैग के मुताबिक हरियाणा उन राज्यों की श्रेणी में सबसे आगे है, जो लिए गए लोन की सबसे ज्यादा अदायगी करता है। हरियाणा सरकार कुल खर्चे का 16.67 फीसदी पैसा सिर्फ ब्याज में चुका रहा है। इस सूची में दूसरे नंबर पर पंजाब (16.35) फीसदी, तीसरे नंबर पर पश्चिम बंगाल, (16.31), चौथे नंबर पर केरल (15.86), पांचवें नंबर पर तमिलनाडु (14.36) और छठे नंबर पर राजस्थान (12.42) फीसदी है। कई प्रयासों के बावजूद हरियाणा में अपराध पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। आए दिन रंगदारी और हत्या की घटना सामने आती रहती है। कुछ दिन की सख्ती के बाद गैंगस्टर फिर से सिर उठाने लगते हैं। हरियाणा में हरियाणा में 80 गैंग सक्रिय है। हर साल किसानों को डीएपी व यूरिया के संकट से जूझना पड़ता है, जिसकी वजह से किसान समय पर बुवाई नहीं कर पाते। इससे किसानों को प्रत्येक साल निम्न स्तर की फसल से जूझना पड़ता है। हरियाणा में कई एकड़ खेत सेम की समस्या से जूझ रहे हैं तो वहीं, बारिश के दिनों में गुरुग्राम में जलभराव की समस्या सामने आती है। इस समस्या से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हरियाणा की इमेज को धक्का लगता है। राज्य सरकार का दावा करती है कि अब तक करीब 40 हजार से ज्यादा लोगों को नौकरियां दी गई हैं। इनमें 24 हजार वे नौकरियां भी शामिल हैं, जो पिछले कार्यकाल में घोषित की गई थी। वहीं, सीईटी का आयोजन तो सफलतापूर्वक कर दिया, मगर अभी तक न तो परिणाम जारी हुआ और न ही करेक्शन के लिए पोर्टल खुला। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने वर्तमान सरकार को एक साल के कार्यकाल में पूरी तरह विफल बताया।

मालिक का बेटे की तरह घोड़े से अनोखा प्रेम, 'फतेहजंग' की मौत पर रखवाया भोग समागम, छपवाए कार्ड

लुधियाना ०६/१२ (संवाददाता): इंसानों और जानवरों के बीच प्रेम की कई कहानियां आपने सुनी होंगी, लेकिन लुधियाना से एक ऐसी कहानी सामने आई है जो इस रिश्ते को एक नई गहराई देती है। यहां खासी कलां के रहने वाले चरणजीत सिंह मिंटा अपने घोड़े फतेहजंग की मौत से इस कदर दुखी हुए कि उन्होंने उसकी आत्मिक शांति के लिए बकायदा भोग समागम का आयोजन किया। इसके लिए उन्होंने विधिवत कार्ड छपवाए और गुरुद्वारा साहिब में कार्यक्रम रखाकर सभी रिश्तेदारों और परिचितों को आमंत्रित किया। चरणजीत सिंह मिंटा के लिए फतेहजंग सिर्फ एक घोड़ा नहीं, बल्कि उनके परिवार का सदस्य और उनके तीन बेटों में से एक था। उनके दो बेटे, गुरइकबाल सिंह और मनलोचन सिंह, क्रमशः ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका में रहते हैं। जब भी कोई उनसे उनके बच्चों के बारे में पूछता, तो वे हमेशा कहते कि उनके तीन बेटे हैं, और तीसरे बेटे का नाम फतेहजंग सिंह है जो हिंदुस्तान में रहता है। मिंटा बताते हैं कि घोड़े पालना और उनसे प्रेम करना उनके खून में है।

उनका परिवार तीन पीढ़ियों से घोड़े पालता आ रहा है। 38 महीने का फतेहजंग उनके घर में ही पैदा हुआ था और अपने नीले रंग और दोस्ताना स्वभाव के कारण वह और उनकी पत्नी उसे अपने बच्चे की तरह मानने लगे थे। बच्चे विदेश में होने के कारण उनका सारा दिन फतेहजंग के साथ ही गुजरता था। फतेहजंग पूरे उत्तर भारत में प्रदर्शनियों में एक जाना–माना नाम था और लोग उसे बहुत पसंद करते थे। इसी साल वे उसे जोधपुर के महाराजा के पास भी लेकर गए थे, जहां उसकी खूब प्रशंसा हुई थी। बीती 8 अक्टूबर को फतेहजंग की अचानक तबीयत खराब हो गई और उसकी मौत हो गई। जांच में पता चला कि उसके अंगों ने अचानक काम करना बंद कर दिया था। इस घटना से चरणजीत सिंह को गहरा आघात लगा और वह उदासी में डूब गए। उनकी हालत देखकर पटियाला से आए उनके रिश्तेदारों ने उन्हें नीले रंग का एक नया घोड़ा उपहार में दिया। चरणजीत सिंह ने अपने 'बेटे' की याद में इस नए घोड़े का नाम भी फतेहजंग ही रखा है।

भाजपा की 'आप' विधायकों के फर्जी हस्ताक्षरों के जरिए राज्यसभा सीट हड़पने की कोशिश बेनकाब : अमन अरोड़ा

चंडीगढ़०६/१२ (संवाददाता): पंजाब आम आदमी पार्टी (आप) के अध्यक्ष अमन अरोड़ा ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और केंद्र सरकार पर लोकतंत्र की हत्या और अपराधियों को बचाने के गंभीर आरोप लगाये हैं। विधायक फौजा सिंह सरारी, रजनीश दहिया और वरिष्ठ नेता नील गर्ग के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए श्री अरोड़ा ने कहा कि चंडीगढ़ महापौर चुनाव की तरह ही भाजपा की एक बार फिर 'आप' विधायकों के फर्जी हस्ताक्षरों से राज्यसभा में अपने व्यक्ति को भेजने की कोशिश बेनकाब हुई है। अरोड़ा ने कहा कि यह मामला बहुत गंभीर और संगीन है। भाजपा और केंद्र सरकार द्वारा लगातार लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिशें की जा रही हैं, जिसकी ताजा मिसाल आज चंडीगढ़ में देखने को मिली है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ मेयर चुनाव के दौरान, जैसे अनिल मसीह ने बेशर्मी से वोट रद्द करके लोकतंत्र की हत्या की थी, उससे भी संगीन हालात अब भाजपा ने राज्यसभा सीट के लिए पैदा कर दिये हैं। उन्होंने पूरे घटनाक्रम का खुलासा करते हुए बताया कि श्री अरोड़ा के इस्तीफे के बाद खाली हुई राज्यसभा सीट के लिए नवनीत चतुर्वेदी नामक व्यक्ति ने नामांकन पत्र दाखिल किया। उन्होंने कहा कि नामांकन भरना हर किसी का हक है, लेकिन फर्जीवाड़े से देश की सबसे पवित्र पंचायत (संसद) में पहुंचना लोकतंत्र की पीठ में छुरा मारने के बराबर है। उन्होंने दस्तावेज दिखाते हुए बताया कि छह अक्टूबर को नवनीत चतुर्वेदी ने 'आप' के 10 विधायकों के नाम बिना हस्ताक्षरों के प्रस्तावक के तौर पर दाखिल किये। फिर 13 अक्टूबर को उसने 10 और नये विधायकों के नामों के साथ एक और नामांकन पत्र दाखिल किया, जिसमें विधायक रजनीश दहिया और फौजा सिंह सरारी समेत कई अन्य विधायकों के फर्जी हस्ताक्षर थे।

पंजाबी बोली ओलंपियाड करवाएगा पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड, पंजीकरण शुरु : परसराम प्रभाकर

जालंधर ०६/१२ (संवाददाता): पंजाब, पंजाबी और पंजाबियत को बढ़ावा देने के लिए पंजाब सरकार के प्रयासों के अंतर्गत पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा तीसरा अंतर्राष्ट्रीय पंजाबी भाषा ओलंपियाड करवाया जा रहा है। इस चल रहे ओलंपियाड में प्रिंटर्स एसोसिएशन के सदस्यो ने विशेष रुप से भाग लिया और अपने अपने विचार दिए। बैठक में प्रिंटर्स एसोसिएशन पंजाब के महासचिव परसराम प्रभाकर ने बताया कि बैठक में डॉ. अमरनाथ सिंह आई.ए.एस. (सेवानिवृत्त) चेयरमैन पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड ने बताया है कि पंजाबी ओलंपियाड में विद्यार्थियों का पंजीकरण 15 अगस्त से शुरू हो गया था, जिसे भारी समर्थन मिल रहा है और विद्यार्थियों के लिए 31 अक्तूबर तक पंजीकरण करवाने का सुनहरा अवसर है। महासचिव परसराम प्रभाकर ने कहा कि पंजाबी ओलंपियाड के आयोजन का मुख्य उद्देश्य देश–विदेश में रहने वाले पंजाबियों को अपनी समृद्ध विरासत से जोड़ना और पंजाबी भाषा की समृद्ध विरासत को संरिक्षत और प्रोत्साहित करना है। इस ओलंपियाड का विशेष आकर्षण यह है कि इस वर्ष विजेता विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार से सम्मानित करने के साथ–साथ उन स्कूलों और अध्यापकों को भी विशेष सम्मान दिया जाएगा जो ओलंपियाड में अधिकतम विद्यार्थियों का पंजीकरण करवाएंगे।

बताया गया कि प्राथमिक वर्ग (8 से 12 वर्ष) के लिए पंजीकरण शुल्क 50 रुपए रखा गया है, जो पहले 100 रुपए था। मध्यम वर्ग (12 से 14 वर्ष) और माध्यमिक वर्ग (14 से 16 वर्ष) के लिए पंजीकरण शुल्क 100 रुपए रखा गया है। एन.आर.आई. छात्रों के लिए पंजीकरण शुल्क 800 रुपए रखा गया है। पिछले वर्षों में प्रश्नों का आधार केवल तैयार सामग्री तक ही सीमति था, लेकिन इस बार इसके साथ ही आयु के अनुसार पाठ्यक्रम से प्रश्न भी शामिल किए गए हैं ताकि ओलंपियाड पाठ्यक्रम से जुड़ा रहे। इसके अलावा पिछले वर्षों में केवल ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की गई थी, जबकि इस बार यह परीक्षा ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों मोड में आयोजित की जाएगी।

लागू, तंदूर, कूड़ा जलाने और तोड़फोड़ पर लगी रोक

झज्जर ०६/१२ (संवाददाता):प्रदूषण का स्तर लगातार खराब हो रहा है। हवा जहरीली हो रही है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की ओर से ग्रैप–1 (ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान) लागू हो गया है। जैसे–जैसे प्रदूषण का स्तर बढ़ेगा पाबंदियां भी बढ़ती जाएंगी। ग्रैप–1 लागू होने के बाद तंदूर, कूड़ा जलाने और तोड़फोड़ पर रोक लगा दी गई है। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से भी सख्ती बरती जा रही है। बुधवार की सुबह क्षेत्र में स्मॉग छाया रहा। इसके कारण दोपहिया वाहन चालकों को आंखों में जलन की अनुभूति हुई। सुबह 8 बजे एक्यूआई 229 दर्ज किया गया। यह शाम 4 बजे 238 पर पहुंच गया। प्रदूषण रोकने में हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों ने आमजन से भी सहयोग की अपील की है।

Printed, Published,Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Main road , Chhend colony , Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email:kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार | राउरकेला, रविवार 07 दिसंबर 2025 | पृष्ठ-6

20 लाख की लूट का मास्टरमाइंड भुवनेश्वर पुलिस ने पकड़ा

भुवनेश्वर ०६/१२ (संवाददाता):भुवनेश्वर पुलिस ने शिकायत करने वाले के करीबी दोस्त समेत दो लोगों को पहला इलाके के पास 20 लाख रुपये की लूट की साज़िश रचने और उसे अंजाम देने के आरोप में गिरफ़्तार किया। सूत्रों के मुताबिक, यह केस तब दर्ज किया गया जब शिकायत करने वाले प्रभात कुमार को घटना के दौरान तलवार से हुए हमले में चोटें आईं। गिरफ़्तार किए गए लोगों में सरोज सुतार और बाबुलू बेहरा हैं, जबकि इस क्राइम में शामिल उनके दूसरे साथी अभी भी फरार हैं। लूट तक का सिलसिला पुलिस ने बताया कि प्रभात ने 24 नवंबर को किसी दूसरे जान-पहचान वाले से लोन के तौर पर लिए गए 20 लाख रुपये निकाले थे। सरोज सुतार, जो पैसे लेने के समय उसके साथ था, ने कथित तौर पर अपने साथियों के साथ मिलकर पूरी रकम हड़पने की साज़िश रची। पुलिस ने कहा कि सरोज ने चाय पीने के बहाने प्रभात को जलसा बार के पास रोकने का इंतज़ाम किया। पहले से तय इंतज़ाम के मुताबिक, सरोज के साथियों को लेकर दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, जबकि दोनों बैठे हुए थे। इसके बाद ग्रुप ने कथित तौर पर प्रभात पर तलवार से हमला किया और पूरे 20 लाख रुपये लेकर भाग गए। पुलिस ने अंदर की भूमिका का पता कैसे लगाया, हमले के बाद शिकायतकर्ता के साथ पुलिस स्टेशन जाने के बावजूद, सरोज के बयानों में अंतर था। जांचकर्ताओं ने इलाके के CCTV फुटेज की डिटेल में जांच की और आरोपियों के कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR) की जांच की। फुटेज और मोबाइल-लोकेशन पैटर्न कथित तौर पर सरोज के दावों के उलट थे और हमलावरों के साथ तालमेल बिठाने का संकेत देते थे। वेरिफिकेशन के बाद, पुलिस ने उसे डकैती की साजिश का मुख्य साजिशकर्ता बताया और पूछताछ के लिए हिरासत में लिया।

सूत्रों ने कहा कि पुलिस ने गिरफ़्तार आरोपियों से 5.70 लाख रुपये कैश, हमले में इस्तेमाल की गई तलवार और डकैती के दौरान कथित तौर पर इस्तेमाल की गई एक स्पोर्ट्स मोटरसाइकिल जब्त की है। क्राइम सीन में शामिल गाड़ियों की मौजूदगी दिखाने वाले कई CCTV फ्रेम सबूत के तौर पर शामिल किए गए हैं। क्राइम लोकेशन के तौर पर पहचाने गए जलसा बार इलाके में काम करने वाले सर्विलांस कैमरे भी थे, जिससे सीक्वेंस को फिर से बनाने में मदद मिली।

आईजीएच को जटिल लंबर डिस्क चिकित्सा में मिली उल्लेखनीय सफलता

राउरकेला ०६/१२ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) के इस्पात जनरल अस्पताल (आईजीएच) ने एक और उल्लेखनीय उपलज़्धि अपने नाम की है, जहां 32 वर्षीय महिला मरीज, जो आयुष्मान भारत योजना की लाभार्थी हैं, गंभीर रीढ़ की हड्डी की शल्यचिकित्सा के तुरंत बाद अगले ही दिन फिर से चलने में सक्षम हो गईं। मरीज़ को पीठ के निचले हिस्से में तेज़ दर्द के साथ भर्ती कराया गया था, जो दाहिने पैर तक फैल रहा था, साथ ही खड़े होने, चलने-फिरने, बिस्तर पर करवट लेने और पेशाब और मल त्याग करने में भी दिक्कत हो रही थी द्व ये परेशानी उसे पिछले पाँच दिनों से थी द्व आईजीएच में किए गए एमआरआई से पता चला कि एल5-एस1 डिस्क घिसकी हुई है, जिसके कारण कॉडा इक्काइना संलक्षण दिखने लगे थे जो एक न्यूरोसर्जिकल आपात स्थिति है, जिसमें तुरंत हस्तक्षेप के आवश्यकता होती है। तत्काल कार्रवाई करते हुए, चिकित्सा दल ने आपातकालीन लज़्बर स्पाइन शल्यचिकित्सा की योजना बनाई और उसे अंजाम दिया। ऑपरेशन का नेतृत्व वरिष्ठ कंसल्टेंट (न्यूरोसर्जरी), डॉ. मनोज कुमार देव ने किया और अतिरिक्त मुज़्य चिकित्सा अधिकारी, डॉ. संजुक्ता पाणिग्रही ने एनेस्थीसिया की जिज़्मेदारी संभाली। सिस्टर गोधूली और सिस्टर अंजली ने ऑपरेशन के दौरान महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। मरीज़ में ज़बरदस्त स्वस्थ सुधार दिखने लगी और शल्यचिकित्सा के सिर्फ़ एक दिन बाद वह खड़ी होने और चलने-फिरने लगी। शल्यचिकित्सा के पश्चात के देखभाल सिस्टर गौरी, सिस्टर सस्मिता, सिस्टर मनीषा, सिस्टर रुबी और सिस्टर सोनिया द्वारा अत्यंत कुशलता से की गई, जिससे मरीज का स्वास्थ्य लगातार बेहतर होता गया। राहत और आभार व्यक्त करते हुए, मरीज ने बताया कि लक्षणों में 80त्न का सुधार है । अब वह पूरी तरह से ठीक हो रही हैं और जल्द ही उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जायेगी ।सफलता की यह कहानी आईजीएच की उत्कृष्ट स्वस्थ सेवा केंद्र होने के पुष्टि करती है और यह दर्शाती है कि सेल, राउरकेला इस्पात संयंत्र आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं के तहत उन्नत, संवेदनशील और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बारामुंडा फुट ओवरब्रिज का काम पूरा, लिफ्ट की सुविधा दी

भुवनेश्वर ०६/१२ (संवाददाता): भुवनेश्वर के बिज़ी बारामुंडा में 57 मीटर लंबा, 3 मीटर चौड़ा और 6 मीटर ऊंचा पैदल चलने वालों के लिए फुट ओवरब्रिज बनने वाला है, और दिसंबर 2025 के आखिर तक इसके पूरा होने की उज़्मीद है। इसके अलावा, मंज़ूर प्लान के मुताबिक, ओवरब्रिज के दोनों तरफ लिज़्ट भी लगा दी गई हैं और चालू होने के बाद ये चालू हो जाएंगी। सूत्रों के मुताबिक, नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया ने नेशनल हाईवे-16 के भुवनेश्वर-कटक हिस्से पर चार फुट ओवरब्रिज बनाने को ऑफिशियली मंज़ूरी दे दी है, जिसमें पलासुनी, बारामुंडा और चांदीखोल-जगतपुर-भुवनेश्वर कॉरिडोर पर मंगुली में दो जगहें शामिल हैं।

चारों स्ट्रक्चर इंजीनियरिंग प्रोज़्योरमेंट एंड कंस्ट्रज़्शन मोड पर बनाए जा रहे हैं, जिनकी बिड प्रोजेज़्ट कॉस्ट 7.29 करोड़ रुपये है।

पलासुनी और बारामुंडा हाई-रिस्क लोकेशन ध्यान देने वाली बात यह है कि यह फैसला सालों से लोगों की मांग के बाद लिया गया है, खासकर पलासुनी में, जहां लोग करीब एक दशक से फुट ओवरब्रिज की मांग कर रहे थे। दो साल पहले जारी किया गया एक पुराना टेंडर कैंसिल कर दिया गया था, जिससे पैदल चलने वालों की सुरक्षा की चिंताएं अनसुलझी रह गईं। प्रोजेज़्ट रिकॉर्ड में दिए गए एज़्सीडेंट डेटा से पता चलता है कि पिछले साल पलासुनी हिस्से में 100 से ज़्यादा एज़्सीडेंट हुए, जिनमें तीन मौतें भी शामिल हैं, जो एक खास पैदल चलने वालों के लिए क्रॉसिंग की ज़रूरत को दिखाता है। इसी तरह, राजधानी कॉलेज और मुज़्य ट्रांसपोर्ट लिंक के पास बसे बारामुंडा में भी रोज़ाना हज़ारों पैदल चलने वाले आते-जाते हैं, जिससे लोगों और लोकल बिज़नेस की तरफ से भी इसी तरह की सुरक्षा की मांग उठ रही है। बारामुंडा और पलासुनी फुट ओवरब्रिज के लिए, लगभग 5 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जिसमें लिज़्ट, पैदल चलने वालों के लिए बेहतर एज़्सेस और सुरक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए इंतज़ाम शामिल हैं। भुवनेश्वर की अपराजिता सारंगी ने टेंडर अप्रूवल डॉज़्यूमेंट्स को पज़्लिक में पोस्ट किया, जिसमें बताया गया कि मंज़ूर किए गए स्न्न्ह्लक्च्च्य से आने-जाने वालों की सुरक्षा बढ़ेगी और शहर के सबसे बिज़ी हाईवे हिस्सों पर आना-जाना आसान होगा। एक बार बन जाने के बाद, चार नए ओवरब्रिज से भुवनेश्वर में ह॥-16 कॉरिडोर पर पैदल चलने वालों और गाड़ियों के बीच टकराव में काफी कमी आने की उज़्मीद है।

सरकार ने अवैध खनन के लिए 126 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला

भुवनेश्वर ०६/१२ (संवाददाता): ओडिशा सरकार ने गैर-कानूनी माइनर मिनरल माइनिंग और ट्रांसपोर्टेशन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है, जिसमें 2022 और अज़्टूबर 2025 के बीच 126 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला गया है। यह जानकारी राज्य विधानसभा में माइंस मिनिस्टर विभूति भूषण जेना ने एक लिखित जवाब में दी। मिनिस्टर ने गुरुवार को बताया कि मौजूदा फाइनेंशियल ईयर में सितंबर तक 655 करोड़ रुपये का रेवेन्यू इकट्ठा किया गया है। गैर-कानूनी ट्रांसपोर्टेशन को रोकने के लिए, अधिकारियों ने 30 जिलों में 15,187 सीज़र्स किए हैं।

कुल 3,219 केस रजिस्टर किए गए हैं, जिससे 126.51 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला गया है। धर्मशाला, झारसुगुड़ा, पिपिली, टांगी, मार्शाघाई, बारंग, कनिहाल, जलेश्वर, हिंडोल, पुरुषोज़मपुर और रघुनाथपुर सहित ग्यारह संवेदनशील तहसीलों को अवैध रेत खनन के लिए हॉटस्पॉट के रूप में पहचाना गया है। खान विभाग ने बताया कि हिंडोल, पुरुषोज़मपुर और रघुनाथपुर में छोटे खनिज चोरी के सबसे ज्यादा मामले दर्ज किए गए, जिससे इन क्षेत्रों में निगरानी और प्रवर्तन बढ़ा दिया गया।

उत्कल संगीत महाविद्यालय में 'हैरेसमेंट' को लेकर विवाद

भुवनेश्वर ०६/१२ (संवाददाता): उत्कल संगीत महाविद्यालय में स्टूडेंट्स के कथित हैरेसमेंट को लेकर विरोध प्रदर्शन के बाद टेंशन बढ़ गया, जिसके बाद संबंधित लेक्चरर को निकाल दिया गया। एक बड़ी कार्रवाई में, आरोपी लेक्चरर शत्रुघ्न सामल को गुरुवार को भुवनेश्वर के उत्कल संगीत महाविद्यालय से एक स्टूडेंट के कथित हैरेसमेंट के सिलसिले में निकाल दिया गया। प्रिंसिपल बिजय जेना ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए कहा कि अधिकारियों को दी गई एक लिखित शिकायत के बाद सामल को निकाल दिया गया। शिकायत के बाद, सामल को कथित तौर पर पुलिस ने हिरासत में भी लिया है। दिन में पहले, स्टेट कल्चर डिपार्टमेंट की तीन सदस्यों की टीम ने स्टूडेंट के कथित हैरेसमेंट की जांच शुरू की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्पेशल सेक्रेटरी देबा प्रसाद दाश के नेतृत्व में टीम ने दो अन्य अधिकारियों के साथ पूरी जांच करने के लिए कैंपस का दौरा किया।जांच के बाद, सामल को निकाल दिया गया। यह आरोप कुछ छात्राओं ने लगाया था जिन्होंने ड्रामा डिपार्टमेंट के लेक्चरर सामल पर हैरेसमेंट का आरोप लगाया था। कहा जाता है कि इस घटना से कैंपस में अशांति फैल गई, जिसके बाद छात्रों ने शोर-शराबा किया। स्टूडेंट्स सड़कों पर भी उतर आए। खबर है कि प्रोटेस्ट के दौरान एक लड़की बेहोश हो गई, और उसे हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। लोकल पुलिस और कॉलेज के लेक्चरर्स ने स्टूडेंट्स को शांत करने की कोशिश की, और आखिरकार वे कैंपस के अंदर चले गए।

उत्कल संगीत महाविद्यालय के प्रिंसिपल बिजय जेना ने कहा, स्टूडेंट्स के आरोप के मुताबिक, शत्रुघ्न सामल नाम के एक गेस्ट फैकल्टी मेंबर को आज निकाल दिया गया है। इस बारे में पुलिस दूसरी लीगल कार्रवाई करेगी। जो भी इस तरह का बर्ताव करता पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आगे कहा, स्टूडेंट्स को लिखकर शिकायत करनी चाहिए। अगर स्टूडेंट्स ने लिखकर शिकायत दी होती, तो या तो मैं उस लेक्चरर को निकाल देता या समस्या का पहले ही हल कर देता।

खुर्दा में 1448 भारतीय लैपशेल कछुए जज़्त किए गए

भुवनेश्वर ०६/१२ (संवाददाता): संरक्षित वन्यजीव प्रजातियों की अवैध तस्करी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई मेंए राजस्व खुफ्यिा निदेशालय खुर्दा से 1448 भारतीय ज़्लैपशेल कछुए जज़्त किए और इस संबंध में एक व्यक्ति को गिरज़्तार किया। पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले के मूल निवासी 38 वर्षीय आरोपी महादेव डे पर वन्यजीव संरक्षण अधिनियमए 1972 की अनुसूची.प् की धारा 50;1 सी के साथ धारा 9 और क्रम संज़्या 44 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आरएसपी में ज्ञान मंच प्रश्नोज़री प्रतियोगिता का दूसरा संस्करण आयोजित

राउरकेला ०६/१२ (संवाददाता): राउरकेला इस्पात संयंत्र के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग ने गोपबंधु सभागार में ज्ञान मंच प्रश्नोज़री प्रतियोगिता का दूसरा संस्करण आयोजित किया। यह आयोजन हर दो महीने में होने वाले ज्ञान-साझाकरण पहल आरएसपी ज्ञान मंच के तहत किया गया था, जिसका मकसद सयंत्र के कर्मचारियों के बीच सीखने के संस्कृति को बढ़ावा देना, तकनीकी जागरूकता बढ़ाना, प्रबंधकीय और वैश्विक डोमेन पर जागरूकता को बढ़ाना और सज़्मिलित काम, प्रतिस्पर्धी भावना, अंतर-विभागीय संबंध और क्रॉस-फ़ज़्शनल ज्ञान साझाकरण को मज़बूत करना है। ऑनलाइन प्रश्नोज़री में कुल 28 टीमों ने भाग लिया, जिनमें से हर एक में दो-दो सदस्य थे । वरिष्ठ प्रबंधक (सीसीडज़्लू), सुश्री कविता बिसोई ने क्विज़ मास्टर के तौर पर कमान संभाला और आयोजन को संचालित किया। कुल 50 सवालों के साथ दो राउंड थे। एक दिलचस्प और दिमाग को मज़बूत करने वाले प्रतियोगिता के बाद, सहायक महाप्रबंधक (कोक ओवन्स), श्री संपद मिश्रा और वरिष्ठ प्रबंधक (एनपीएम), श्री अभिजीत पटनायक प्रश्नोज़री प्रतियोगिता के विजेता बने। दूसरा पुरस्कार दोनों एमटी(टी), श्री आलोक यादव और श्री अभिषेक तिवारी ने प्राप्त किया। ज्ञान मंच क्विज़ के इस संस्करण की थीम गुणवज़ा प्रबंधन और प्रणाली थी।

इस आयोजन को उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास), श्री के के जायसवाल ने समन्वित किया। मान्यता ढांचा के तौर पर, जीतने वाली टीम को 3000/- रुपये (1500/- रुपये प्रत्येक सदस्य) के साथ 250/- रुपये मूल्य की किताबें प्रत्येक सदस्य को मिलेंगी, जबकि रनर-अप टीम को 2000/- रुपये (1000/- रुपये प्रत्येक सदस्य) के साथ 250/- रुपये मूल्य की किताबें प्रत्येक सदस्य को मिलेंगी। पुरस्कार राशि सीधे विजेताओं के सैलरी अकाउंट में क्रेडिट की जाएगी। खास बात यह है कि आरएसपी ज्ञान मंच ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा चलाया जाने वाला एक स्ट्रक्चर्ड, हर दो महीने में होने वाला प्रश्नोज़री कार्यक्रम है, जिसे आरएसपी और दूसरी सेल इकाई के पैनलबद्ध क्विज़ मास्टर्स की मदद से चलाया जाता है। यह एस-1 से ई-7 तक के सभी नियमित कर्मचारियों के लिए खुला है, जिसमें दो सदस्यों वाली टीम को मौके पर ही रजिस्टर करने की इजाज़त है। टीमों को बाद के संस्करण में पार्टनर बदलने की आज़ादी है, हालांकि जीतने वाले युगल जोड़ी को एक विज़ीय वर्ष में सिर्फ़ दो बार दोहराने की इजाज़त है। क्विज़ में फाइनलिस्ट को शॉर्ट लिस्ट करने के लिए एक ऑनलाइन शुरुआती राउंड होता है, जिसके बाद एक पावरपॉइंट- आधारित, दृश्य-श्रव्य और परस्पर संवादात्मक फाइनल राउंड होता है।